ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- 5, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 300 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
06 मई 2026 बुधवार

आज का मौसम
40.4 अधिकतम
21.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

भाजपा की ऐतिहासिक जीत के जश्न के बीच असली कसौटी की शुरुआत

भारतीय जनता पार्टी ने भारतीय राजनीति में एक नया अध्याय लिख दिया है। पश्चिम बंगाल जैसे देश के सबसे संवेदनशील और राजनीतिक रूप से जटिल राज्य में सत्ता हासिल करना सिर्फ चुनावी जीत नहीं, बल्कि वैचारिक और संगठनात्मक विस्तार का बड़ा संकेत है। यह वही बंगाल है, जहां दशकों तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, वामपंथी दलों, खासकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और बाद में तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व रहा। ऐसे राज्य में भाजपा का 200 के पार जाना राजनीतिक इतिहास की असाधारण घटना है। लेकिन इस भूतो न भविष्यति जीत के साथ ही एक कठोर सच्चाई भी जुड़ी है। असली परीक्षा तो अब शुरू होती है जो वादों की कसौटी पर खरा उतरने की चुनौती पेश करती है। भाजपा ने बंगाल की जनता से कई बड़े वादे किए हैं जिनमे कानून-व्यवस्था सुधारने से लेकर गुंडा राज समाप्त करने तक शामिल हैं। वादा बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ रोकना और पहले से मौजूद लोगों की पहचान कर कार्रवाई करने का। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना तथा विकास की नई इबारत लिखना। इन वादों को जमीन पर उतारना ही सरकार की विश्वसनीयता तय करेगा। बंगाल में पहले वाम शासन और फिर तृणमूल के दौर में जो राजनीतिक-सामाजिक संरचना बनी, उसे बदलना आसान नहीं है। इसलिए भाजपा के सामने सिर्फ सत्ता चलाने की नहीं, बल्कि सिस्टम बदलने की चुनौती है।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

जश्न से जिम्मेदारी की ओर

बंगाल के साथ-साथ असम में लगातार तीसरी जीत और पुडुचेरी में दूसरी बार सत्ता में वापसी ने भाजपा को उत्सव के माहौल में ला खड़ा किया है। लेकिन, राजनीति में जीत का जश्न जितना तेज होता है, उतनी ही जल्दी उसे जिम्मेदारी में बदलना पड़ता है। पिछले चुनाव में कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में भाजपा ने 2 से 77 सीटों तक का सफर तय किया था। इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति और संगठनात्मक ताकत के दम पर पार्टी ने ममता बनर्जी के 15 साल पुराने शासन को समाप्त कर दिया। 293 सीटों में से 207 सीटों पर जीत सिर्फ आंकड़ा नहीं, बल्कि जनादेश की स्पष्ट दिशा है।

विपक्ष की प्रतिक्रिया-आत्ममंथन का सवाल

इस भारी हार के बाद विपक्ष चाहे ममता बनर्जी हों, राहुल गांधी या अरविंद केजरीवाल, अभी भी परिणामों को स्वीकार करने के बजाय आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति में उलझे दिखाई देते हैं। चुनावी हार के कारणों का गंभीर विश्लेषण करने के बजाय चुनाव आयोग या भाजपा की रणनीतियों पर सवाल उठाना एक आसान रास्ता जरूर है, लेकिन इससे भविष्य की राजनीति नहीं बनती। वास्तविक चुनौती विपक्ष के लिए भी उतनी ही बड़ी है। वह आत्ममंथन करेगा या सिर्फ आरोपों तक सीमित रहेगा?

एक देश, एक दल, एक गठजोड़... कितनी दूर है लक्ष्य

भाजपा का विस्तार अब 22 राज्यों तक पहुंच चुका है। 18 में अपने दम पर और 4 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोग से। अगर तमिलनाडु में एआईएडीएमके के साथ गठबंधन मजबूत होता है, तो यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। अब पार्टी की नजर दक्षिण भारत पर है। कर्नाटक में वापसी अपेक्षाकृत आसान दिखती है, लेकिन तेलंगाना और केरल में चुनौती जटिल है। केरल में भाजपा का वोट शेयर लोकसभा में तो बढ़ता है, लेकिन विधानसभा में वही समर्थन नहीं मिल पाता। यह संगठनात्मक कमजोरी का संकेत है। आंध्र प्रदेश में पार्टी फिलहाल तेलुगु देशम पार्टी के सहारे ही आगे बढ़ सकती है। एक देश, एक दल, एक गठजोड़ का लक्ष्य स्पष्ट जरूर है, लेकिन भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में इसे हासिल करना आसान नहीं। इसके बावजूद भाजपा की रणनीति में स्पष्टता है और उसे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मजबूत संगठनात्मक आधार प्राप्त है।

बंगाल में कठिन परीक्षा अभी बाकी

भाजपा के सामने सबसे बड़ी और तत्काल चुनौती पश्चिम बंगाल में ही है। इतिहास गवाह है कि वामपंथी शासन के दौरान पनपे आपराधिक तत्व बाद में तृणमूल कांग्रेस के साथ जुड़ गए। अब आशंका है कि ऐसे तत्व भाजपा में भी घुसपैठ कर सकते हैं। इसलिए भाजपा की पहली जिम्मेदारी बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक शुद्धिकरण है। अमित शाह ने अपने चुनावी अभियानों में स्पष्ट चेतावनी दी थी गुंडा तत्वों की जगह जेल होगी। अब यह देखना होगा कि सरकार इस वादे को कितनी जल्दी और कितनी सख्ती से लागू करती है।

निष्कर्ष: जीत नहीं, भरोसा होगा कसौटी

भाजपा ने जो जनादेश हासिल किया है, वह सिर्फ सत्ता नहीं, बल्कि उम्मीदों का बोझ भी लेकर आया है। सबसे बड़ा खतरा यही है कि कहीं जीत का जश्न ही सरकार की प्राथमिकताओं पर हावी न हो जाए। अगर भाजपा अपने वादों पर खरी उतरती है, तो यह जीत ऐतिहासिक उपलब्धि में बदल जाएगी। लेकिन अगर वादे अधूरे रह गए, तो यही जनादेश भविष्य में सबसे बड़ी चुनौती बन सकता है।

परिवर्तन की बाद शान्ति बड़ी चुनौती... टीएमसी का ऑफिस बुलडोजर से गिराया

बंगाल में चौबीस घंटे में चार की हत्या गश्त कर रहे सुरक्षा बलों पर फायरिंग

तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी का एक दूसरे पर आरोप

मुर्शिदाबाद में लेनिन की प्रतिमा तोड़ी, चुनाव आयोग का निर्देश - हिंसा करने वालों के खिलाफ नो टॉलरेंस की नीति अपनाएं

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में चुनाव के नतीजे आने की बाद शान्ति व्यवस्था बनाए रखना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। मंगलवार से शुरू हुईं हिंसा वारदातें बढ़ती जा रही हैं। नॉर्थ 24 परगना जिले के संदेशखाली स्थित बामनघेरी इलाके में मंगलवार रात गश्त कर रहे पुलिस और केंद्रीय बलों पर हमला हुआ। उपद्रवियों ने फायरिंग की, जिसमें पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। घायलों में नाजाट थाने के ऑफिसर इन-चार्ज, एक कांस्टेबल, एक महिला पुलिसकर्मी और केंद्रीय बलों के दो जवान शामिल हैं। राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान अलग-अलग जगहों पर 4 लोगों की हत्या कर दी हई है जिनमें भाजपा और टीएमसी के 2-2 कार्यकर्ता हैं।

भाजपा ने उत्तर 24 परगना के न्यू टाउन और हावड़ा के उदय नारायणपुर में अपने दो कार्यकर्ताओं की हत्या का आरोप टीएमसी पर लगाया है। जबकि टीएमसी का आरोप है कि

तृणमूल कांग्रेस का दफ्तर गिराने जेसीबी लेकर पहुंची भीड़।

कोलकाता के बेलेघाटा और बीरभूम के नानूर में उसके दो पार्टी सदस्यों की हत्या कर दी गई। इसी बीच कोलकाता में बेकाबू भीड़ ने टीएमसी की एक ऑफिस को बुलडोजर से गिरा दिया। घटना शहर की न्यू मार्केट इलाके के पास हुई। भीड़ भाजपा समर्थकों की बताई गई है जो पार्टी का झंडा लिए हुए थी। उन्होंने दुकानों में तोड़फोड़ भी की। टीएमसी ने घटना का वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा- भाजपा का परिवर्तन आ चुका है और वह बुलडोजर लेकर आया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि इन घटनाओं के दौरान केंद्रीय बलों ने समय पर हस्तक्षेप नहीं किया। उनका आरोप है कि इससे हालात बिगड़ने का मौका मिला और हिंसा को रोका नहीं जा सका।

यह घटनाएं उसके बाद हुई हैं जब निर्वाचन आयोग ने निर्देश दिया कि वे राज्य में चुनाव के बाद होने वाली हिंसा की किसी भी घटना को लेकर कतई बर्दाशत नहीं करने की नीति अपनाएं।

एआईएडीएमके ने विजय को सपोर्ट करने का लिया फैसला

चेन्नई। तमिलनाडु में एआईएडीएमके ने पार्टी में फूट की आशंका को देखते हुए एक्टर विजय की पार्टी टीवीके को बाहर से सपोर्ट देने का फैसला कर लिया है। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि विजय यह समर्थन स्वीकार करेंगे या नहीं। इससे पहले ये खबर सामने आई थी कि एआईएडीएमके की आज की विधायक दल की बैठक टाल दी गई है। 47 विधायकों में से में अधिकांश टीवीके को सपोर्ट करने की मांग कर रहे थे। अप्रत्यक्ष तौर पर एडप्पाडी को चेतावनी दी गई थी कि अगर उन्होंने जल्द फैसला नहीं लिया तो 30 से ज्यादा विधायक पार्टी तोड़कर विजय को सपोर्ट कर देंगे। इस बगावत का नेतृत्व षणमुगम कर रहे थे।

शादी का वादा कर दुष्कर्म का केस रद्द

सहमति से लंबे समय तक संबंध धोखे की श्रेणी में नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में झूठे शादी के वादे के आधार पर दर्ज दुष्कर्म मामले को रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि जब संबंध लंबे समय तक आपसी सहमति से चला हो, तो उसे धोखे या जबरदस्ती का मामला नहीं माना जा सकता। जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने यह भी कहा कि हर असफल रिश्ता या टूटा वादा आपराधिक मामला नहीं बनता।

कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसमें आरोपी की याचिका तकनीकी आधार पर खारिज कर दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पहली याचिका मेरिट पर सुनी ही नहीं गई थी, इसलिए दूसरी याचिका को खारिज करना गलत था। महिला की शादी 1998 में हुई थी और वह 2012 से पति से अलग रह रही थी। 2017 में वेबसाइट के जरिए आरोपी से पहचान हुई। महिला का आरोप था कि आरोपी ने शादी का भरोसा देकर शारीरिक संबंध बनाए और बाद में शादी से इनकार कर दिया। अदालत ने पाया कि कथित घटना के बाद भी दोनों 2017 से 2020 तक लगातार संपर्क में रहे, साथ यात्रा की और होटल में ठहरे। महिला ने 2021 में शिकायत दर्ज कराई, जब संबंध खराब हुए थे।

सहमति वाले रिश्तों को राहत: इस फैसले का असर यह होगा कि झूठे शादी के वादे पर दर्ज रेप मामलों में अदालतें अब संबंध की पूरी पृष्ठभूमि, सहमति, समयावधि और पक्षकारों के आचरण को ज्यादा गंभीरता से देखेंगी। केवल शादी न होने भर से दुष्कर्म नहीं माना जाएगा। इससे सहमति-आधारित लंबे रिश्तों में आपराधिक मुकदमों पर रोक लग सकती है, लेकिन जहां शुरुआत से धोखा और शोषण साबित होगा, वहां कार्रवाई जारी रहेगी।

हैदराबाद-पंजाब, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

नीतीश के बेटे निशांत बन सकते हैं मंत्री, कल हो सकती है शपथ

पटना। बिहार की राजनीति से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। पूर्व मुख्यमंत्री और जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार से पार्टी के दिग्गज नेता ललन सिंह, संजय झा और विजय चौधरी ने मुलाकात की है। पार्टी में नीतीश कुमार के बेटे निशांत को मंत्री बनाए जाने पर भी चर्चा हो रही है। कल निशांत के भी मंत्री पद की शपथ लेने की संभावना है। दरअसल, बिहार में कल नई सरकार का कैबिनेट विस्तार होगा। पटना के गांधी मैदान में 7 मई को दोपहर 12.10 बजे नए मंत्रियों का शपथ ग्रहण होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज शाम ही पटना पहुंच जाएंगे।

आज का कार्टून

मुख्यमंत्री यादव ने की बुरहानपुर में इन्वेस्टर्स समिट कराने की घोषणा

बुरहानपुर, एजेंसी

डॉ. यादव ने कहा कि आने वाले समय में निमाड़ में इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जाएगा। व्यापारिक कल्याण बोर्ड बनाने पर भी कैबिनेट में चर्चा हुई है, जो आगे चलकर जिला स्तर तक काम करेगा। आज बुरहानपुर पहुंचे मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साल को किसान कल्याण वर्ष के रूप में समर्पित किया गया है, जिसमें बुरहानपुर के केला किसानों का विशेष ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि बुरहानपुर का व्यापार 400 करोड़ से बढ़कर 800 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। सरकार ने निंबोला औद्योगिक क्लस्टर के लिए 350 करोड़ रुपये की पहली किस्त भी दे दी है। इसके अलावा देश में 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से

बाहर आए हैं, क्योंकि सरकार का मकसद लोगों की जिंदगी बदलना है। मुख्यमंत्री ने आज यहां पहुंचकर परमानंद गोविंदजीवाला ऑडिटोरियम में उद्योगपतियों से संवाद किया और निमाड़ में इन्वेस्टर्स समिट कराने की बड़ी घोषणा की। इसके बाद सीएम भाजपा के 'विजय उत्सव' में शामिल हुए, जहां उन्होंने मंच पर बैठकर झालमुड़ी खाई और नेताओं को भी खिलाई।

छत्तीसगढ़ में भारी बारिश, एमपी में अलर्ट

रायपुर/जयपुर/पटना, एजेंसी

उत्तर, मध्य और दक्षिण भारत में बारिश का दौर जारी है। छत्तीसगढ़ में मंगलवार को भारी बारिश हुई। इससे कांकेर के चारामा में नेशनल हाईवे-30 पर घुटनों तक पानी भर गया। मनेंद्रगढ़ के जनकपुर में बारिश का पानी लोगों के घर में घुस गया। पेंड्रा में आंधी से कई पेड़ टूटकर गिर गए।

यूपी के गाजियाबाद में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। बारिश के कारण पूरे यूपी में अधिकतम तापमान 40 डिग्री से नीचे आ गया है। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। इधर, बिहार और मध्य प्रदेश में भी बारिश का दौर जारी है। राज्य में 7 मई तक आंधी-बारिश जारी रहेगी। एमपी के 28 जिलों में बुधवार को तेज आंधी के साथ बारिश का अलर्ट है।

ईरान के सरकारी मीडिया ने अपनी जीत बताया

अमेरिका ने प्रोजेक्ट फ्रीडम रोका, होर्मुज से दो दिन में सिर्फ तीन जहाज सुरक्षित निकले

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार रात अचानक 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' रोकने का ऐलान किया। अमेरिका ने सोमवार सुबह होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए यह ऑपरेशन शुरू किया था।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक ट्रम्प ने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से यह ऑपरेशन रोकने की अपील की गई थी। ईरान के साथ समझौते को लेकर बात आगे बढ़ी है, इसलिए यह फैसला लिया गया है। उधर ईरान के सरकारी मीडिया ने इसे अपनी जीत बताया। उनका कहना है कि ट्रम्प को पीछे हटना पड़ा क्योंकि वो इस रास्ते को खुलवाने में नाकाम रहे। अमेरिका इस ऑपरेशन के तहत सोमवार को 2 और मंगलवार को सिर्फ एक जहाज सुरक्षित निकाल पाया था। जबकि जंग से पहले हर दिन होर्मुज से औसतन 130 जहाज गुजरते थे।

ईरान के हमले शुरू....

इससे कुछ ही घंटे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा था कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई पूरी कर ली है और अब सिर्फ 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' पर ध्यान है। प्रोजेक्ट फ्रीडम शुरू होने के बाद ईरान नाराज हो गया था। उसने चेतावनी दी थी कि उसकी इजाजत के बिना कोई जहाज इस रास्ते से नहीं गुजर सकता। इसके बाद ईरान ने होर्मुज में साऊथ कोरिया के एक जहाज पर हमला किया। साथ ही, श्व में भी मिसाइल हमले किए।

मेट्रो एंकर

12वीं के बाद ही तय कर लिया था लक्ष्य, पहले ही प्रयास में 61वीं रैंक

दादा ने दिखाया सपना... बगैर कोचिंग 21 की उम्र में आईएएस बनीं आस्था

नई दिल्ली, एजेंसी

सपनों की कोई उम्र नहीं होती और मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता। यही संदेश देती है आस्था सिंह की कहानी। एक साधारण परिवार में पली-बढ़ीं आस्था को दादा ने अफसर बनने का सपना दिखाया तो उन्होंने उसे अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया। बिना किसी कोचिंग के नौकरी करते हुए यूपीएससी की तैयारी की।

लगन और अनुशासन से अपने पहले ही प्रयास में अच्छी रैंक लाकर महज 21 की उम्र में आईएएस अफसर बन गईं। उनकी सक्सेस स्टोरी मिसाल बन गई है और बताती है कि सच्ची लगन और दृढ़ संकल्प से कोई भी मंजिल पाई जा सकती है।

आस्था सिंह पंजाब के जीरकपुर की रहने वाली हैं। उनकी पढ़ाई अलग-अलग शहरों में हुई। उन्होंने भोपाल और पंचकुला से अपनी स्कूल की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद ग्रेजुएशन के लिए वह दिल्ली पहुंची और दिल्ली यूनिवर्सिटीके श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से इकोनॉमिक्स में डिग्री हासिल की।

आस्था बचपन से ही पढ़ाई में तेज थीं और परिवार का पूरा सहयोग उन्हें मिलता रहा। उनके दादा हमेशा कहते थे कि वह एक दिन कलेक्टर बनेंगी। यही बात उनके मन में गहराई से बैठ गई और धीरे-धीरे दादा का दिखाया सपना उनका लक्ष्य बन गया। 12वीं के बाद उन्होंने तय कर लिया कि उन्हें सिविल सर्विस में जाना है। इसके बाद आस्था ने यूपीएससी 2024 परीक्षा दी और अपने पहले ही प्रयास में उन्होंने 61वीं रैंक हासिल कर आईएएस बनने का सपना पूरा किया। वह जब अधिकारी बनीं तो उनकी उम्र महज 21 साल थी। उनकी इस उपलब्धि ने उन्हें देश की सबसे कम उम्र की आईएएस अधिकारियों में शामिल कर दिया। कम उम्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करके उन्होंने यह संदेश दिया कि परिस्थितियां नहीं, बल्कि आपका प्रयास और विश्वास आपकी सफलता तय करते हैं।

हरियाणा पीएससी भी पास की

आस्था ने बिना किसी कोचिंग के तैयारी शुरू की। उनके पास पहले प्रयास के लिए ज्यादा समय नहीं था, इसलिए उन्होंने खुद पढ़ाई करने का रास्ता चुना। सही किताबों और कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की मदद से उन्होंने अपना सिलेबस पूरा किया। कॉमर्स बैकग्राउंड होने के बावजूद उन्होंने आत्मविश्वास नहीं खोया और नई चीजों को सीखते हुए आगे बढ़ती रहीं। उन्होंने पहले हरियाणा सिविल सर्विस परीक्षा दी जिसमे अच्छी रैंक हासिल की। इससे उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ गया। इसी दौरान उन्होंने यूपीएससी की पढ़ाई भी जारी रखी। नौकरी की ट्रेनिंग के साथ रोज 6-7 घंटे पढ़ाई करना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने संतुलन बनाए रखा।

कब्रों के नीचे से गुजरेगी भोपाल मेट्रो, वक्फ बोर्ड की कमेटी ने जताई आपत्ति

हजारों कब्रों को नुकसान का खतरा, कहा- प्लान बदलें

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल में कब्रिस्तान के नीचे से मेट्रो की लाइन को लेकर अब नया विवाद सामने आ गया है। यहां मेट्रो अब कब्रिस्तान के नीचे से गुजरेगी। इसे लेकर वक्फ बोर्ड की कमेटी ने आपत्ति जताई है। कमेटी का कहना है कि इससे कब्रों को नुकसान का खतरा है, मेट्रो का प्लान बदलना चाहिए। मेट्रो परियोजना को लेकर वक्फ संपत्तियों पर विवाद अब कानूनी हो गया है। भोपाल टॉकीज स्थित प्राचीन कब्रिस्तान के नीचे प्रस्तावित अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन और नारियलखेड़ा की वक्फ जमीन पर निर्माण के खिलाफ कमेटी इंतेजामियां औकाफ-ए-आम्मा ने मध्यप्रदेश राज्य वक्फ अधिकरण में दो अलग-अलग प्रकरण दायर किए हैं। कमेटी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अंसार उल हक और अधिवक्ता इब्राहिम सरवत शरीफ खान पैरवी कर रहे हैं। दोनों मामलों में मेट्रो निर्माण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है। इसके अलावा भोपाल में मेट्रो लाइन को लेकर विवाद को लेकर विधायक आतिफ अकील ने कब्रिस्तान क्षेत्र से लाइन निकालने पर जताया कड़ा विरोध, प्लानिंग बदलने की मांग उठाई।

अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन पर विवाद गहराया: पहले प्रकरण में हमीदिया रोड स्थित मासूमा तकिया अम्मनशाह, मस्जिद नूरानी, मुल्लाशाह और अन्य पंजीकृत वक्फ कब्रिस्तान क्षेत्रों के नीचे से अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन निकालने की योजना पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई गई है। याचिका में कहा गया है कि यह कब्रिस्तान न केवल ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि शहर के सबसे पुराने और बड़े कब्रिस्तानों में शुमार है, जहां

हजारों की संख्या में कब्रें मौजूद हैं। कमेटी का दावा है कि प्रस्तावित मेट्रो लाइन से करीब एक एकड़ क्षेत्र सीधे प्रभावित हो सकता है, जिससे बड़ी संख्या में कब्रों के अस्तित्व और संरचना पर खतरा उत्पन्न होगा। यह भी आरोप लगाया गया है कि मेट्रो प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों ने अब तक इस क्षेत्र का विस्तृत नक्शा, तकनीकी रिपोर्ट या सुरक्षा आकलन सार्वजनिक नहीं किया है, जिससे आशंकाएं और बढ़ गई हैं। अधिवक्ता इब्राहिम सरवत शरीफ खान का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट और अलग-अलग हाईकोर्ट के कई फैसलों में स्पष्ट किया गया है कि कब्रिस्तान की मूल प्रकृति (नयत) को किसी भी हालत में बदला नहीं जा सकता। उन्होंने दलील दी कि भले ही मेट्रो लाइन को अंडरग्राउंड बताया जा रहा हो, लेकिन कब्रिस्तान के नीचे खुदाई, सुरंग निर्माण और कंपन से वहां मौजूद कब्रों और धार्मिक ढांचों को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि प्रस्तावित योजना पर अमल होता है, तो हजारों कब्रें प्रभावित हो सकती हैं, जिससे न केवल धार्मिक भावनाएं आहत होंगी बल्कि यह एक संवेदनशील सामाजिक मुद्दा बन सकता है।

वक्फ अधिकरण से हस्तक्षेप की मांग: दोनों मामलों में वक्फ अधिकरण से मांग की गई है कि विवादित स्थलों पर मेट्रो निर्माण कार्य तत्काल रोका जाए, अवैध निर्माण को हटाया जाए और वक्फ संपत्तियों की यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए जाएं। भोपाल उत्तर विधानसभा के विधायक आतिफ अकील ने मेट्रो परियोजना को लेकर कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि जब शुरुआत से ही यह स्पष्ट था कि संबंधित क्षेत्र में कब्रिस्तान मौजूद है, तो वहां मेट्रो की प्लानिंग ही नहीं की जानी चाहिए थी। अब यदि योजना बना ली गई है, तो उसे बदलकर कब्रिस्तान के नीचे से मेट्रो लाइन निकालना किसी भी लिहाज से उचित नहीं है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर कब्रिस्तान के पास या उसके नीचे से मेट्रो क्यों निकाली जाए। अकील ने कहा कि जिंदा लोगों को तो हम खुश नहीं रख पाए, कम से कम मृतकों को तो शांति से रहने दें। बता दें भोपाल मेट्रो के अंडरग्राउंड रूट के लिए सोमवार से जमीन के अंदर 24 मीटर गहराई में खुदाई शुरू कर दी गई। टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) के जरिए कुल 3.39 किलोमीटर लंबी सुरंग की खुदाई होगी।

'बिना अनुमति' निर्माण का आरोप

दूसरा मामला नारियलखेड़ा स्थित वक्फ निशात अफजा (वाके बाग) की जमीन से जुड़ा है, जहां मेट्रो निर्माण कार्य को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। याचिका के अनुसार खसरा नंबर 88 की लगभग 11.93 हेक्टेयर भूमि वक्फ संपत्ति के रूप में विधिवत दर्ज हैं, जिसका पंजीयन वक्फ रजिस्टर में मौजूद है और राजपत्र में भी प्रकाशित किया जा चुका है। कमेटी का दावा है कि इस जमीन का एक हिस्सा उनके प्रबंधन और नियंत्रण में है, बावजूद इसके मेट्रो कंपनी ने बिना अनुमति निर्माण कार्य शुरू कर दिया। वादी पक्ष ने आरोप लगाया है कि करीब 1.40 एकड़ वक्फ भूमि पर गड्ढे खोदकर पिलर निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मौके पर भारी मशीनरी लगाकर सरिया डाला जा रहा है और बड़े पैमाने पर मिट्टी व निर्माण सामग्री का मलबा जमा किया गया है। कमेटी का कहना है कि यह पूरी कार्रवाई न केवल वक्फ संपत्ति पर अतिक्रमण है, बल्कि इससे भूमि की मूल स्थिति को भी नुकसान पहुंच रहा है। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि मेट्रो कंपनी को कई बार लिखित रूप से नोटिस देकर निर्माण कार्य से संबंधित नक्शा, स्वीकृति और अधिग्रहण की जानकारी मांगी गई, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। अधिवक्ता अंसार उल हक के अनुसार, वक्फ अधिनियम के तहत किसी भी वक्फ संपत्ति का उपयोग या अधिग्रहण करने से पहले विधिक प्रक्रिया अपनाना अनिवार्य है, जिसमें वक्फ बोर्ड को नोटिस देना और उसकी अनुमति लेना शामिल है। उन्होंने कहा कि बिना इन प्रक्रियाओं का पालन किए किया गया निर्माण पूरी तरह अवैध और कानून के विरुद्ध है।

न्यूज विंडो

सिंधी मेला समिति के पारिवारिक मेले का समापन

भोपाल। सिंधी मेला समिति द्वारा आयोजित दो दिवसीय मेले का समापन को हो गया। अंतिम दिन समिति द्वारा पर्यावरण संरक्षक के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने, प्लास्टिक का उपयोग बंद करने, जल संरक्षण करने और ऊर्जा की बचत करने का संकल्प लिया गया। मेला की समाप्ति पर परिसर को स्वच्छ रखने के लिए सभी सदस्यों ने अपनी जिम्मेदारी निभाई और कुछ ही घंटे में मेला परिसर को साफ किया। इस अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि सिंधी मेला समिति का हर सदस्य पर्यावरण संरक्षण को सिर्फ एक दिन का अभियान नहीं बनाएं बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बनाकर प्रतिदिन इस संकल्प को अपनाएं। मेले के अंतिम दिन समाज के लोगो का उत्साह देखने लायक था लोगों ने अपने पूरे परिवार के साथ मेले का भरपूर आनंद लिया और स्वादिष्ट सिंधी व्यंजनों का स्वाद चखा, मेले के अंतिम दिन पुरस्कारों का भी वितरण अतिथियों द्वारा दिया गया।

ट्रेन में सफर कर रहे यात्री का आउटर पर छीना मोबाइल

भोपाल। मुख्य स्टेशन और निशातपुरा रेलवे स्टेशन के बीच सक्रिय झपटमारों ने फिर एक यात्री का मोबाइल छीन लिया। वारदात झेलम एक्सप्रेस में सवार यात्री के साथ आधी रात को हुई थी। पुलिस ने इस मामले में चोरी का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार पुणे से झांसी के बीच चलने वाली 11077 झेलम एक्सप्रेस में रविन्द्र कुमार सफर कर रहे थे। वह जनरल कोच में यात्रा कर रहे थे। वह गेट पर खड़े होकर परिजनों से फोन पर बातचीत कर रहे थे। उस वक्त ट्रेन को आऊटर पर धीमा किया था। तभी बदमाश आया और उसने झपट्टा मारकर ओप्पो कंपनी का मोबाइल छीन लिया।

अरविंद विहार कॉलोनी के सूने मकान में चोरी की वारदात

भोपाल। अरविंद विहार कॉलोनी के दो घरों को चोरों ने निशाना बनाया। चोरी की वारदात उन घरों में हुई है जिनमें परिवार के लोग बाहर गए हुए थे। मामले की जांच बागसेवनिया थाना पुलिस कर रही है। पुलिस के अनुसार केसी फिलीपोस पिता वर्गीस चाको केरल गए हुए थे। वे दुग्ध संघ के सेवानिवृत्त अफसर भी है। केसी फिलोपोस ने पुलिस को बताया है कि वे 24 मार्च को ताला लगाकर पुश्तैनी घर गया था। उनके पास पड़ोसी ने बताया कि उनके घर में चोरी की वारदात हुई है।

जांच में सुरक्षा उपकरण और लाइफ जैकेट बेहद खराब मिलीं, अवैध नावों का संचालन रोका

दो साल से बिना लाइसेंस 'जल विहार' करा रही थीं 120 नावें, फटे हुए लाइफ जैकेट से सुरक्षा!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के बड़े तालाब में जल पर्यटन को बढ़ावा देने के दावों के बीच बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां पिछले दो वर्षों से करीब 120 नावें बिना वैध लाइसेंस के संचालित हो रही थीं, जिनमें कई नावों में सुरक्षा मानकों की भी अनदेखी की जा रही थी।

यह खुलासा तब हुआ जब बरगी डैम हादसे के बाद प्रशासन ने जल स्रोतों में सुरक्षा को लेकर सख्ती शुरू की। नगर निगम के झील संरक्षण प्रकोष्ठ द्वारा की गई जांच में सामने आया कि वर्ष 2024 के बाद से इन नावों के लाइसेंस का नवीनीकरण ही नहीं कराया गया था। इस खुलासे के बाद प्रशासन हरकत में आया और बिना लाइसेंस संचालित नावों को तत्काल प्रभाव से बंद कर किनारे बंधवा दिया गया। जांच के दौरान यह भी पाया गया कि कई नावों में रखी लाइफ जैकेटें बेहद खराब स्थिति में थीं, जिनके बेल्ट टूटे हुए थे या वे उपयोग के लायक नहीं थीं।

जांच में उजागर हुई बड़ी खामियां

नगर निगम के अधिकारियों ने जब बोट क्लब पहुंचकर निरीक्षण किया तो पाया कि अधिकांश नावों में सुरक्षा उपकरण केवल दिखावे के लिए रखे गए थे। लाइफ जैकेट्स की स्थिति इतनी खराब थी कि वे दुर्घटना के समय मदद करने के बजाय खतरा बन

सकती थीं। कार्रवाई के बाद मंगलवार को नाव संचालक लाइसेंस नवीनीकरण के लिए बोट क्लब पहुंचे। दिनभर चली प्रक्रिया में 41 निजी नाव संचालकों ने अपने लाइसेंस रिन्यू कराए, जिससे नगर निगम को करीब 5.17 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। नगर निगम की इस कार्रवाई के बाद बोट क्लब क्षेत्र में हलचल तेज हो गई है। अधिकारियों का कहना है कि आगे भी नियमित जांच की जाएगी और बिना लाइसेंस या सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सैलानियों के लिए बड़ा आकर्षण

बड़े तालाब में नौकायन भोपाल के पर्यटन उद्योग का प्रमुख इंजन है। बोट क्लब पर हर रोज औसतन 2500 से 3000 लोग पहुंचते हैं। इनमें से कम से कम 1500 से 2000 लोग पैडलबोट, शिकारा अथवा डोंगी की सवारी जरूर करते हैं। अनुमान है कि यह 15 से 20 करोड़ सालाना का कारोबार है। इस व्यवस्था की निगरानी और प्रबंधन पर्यटन विकास निगम और भोपाल नगर निगम के पास है। इसके बावजूद लापरवाही बरती जा रही है।

भेल का नया फॉर्मूला,कम उत्पादन, ज्यादा मुनाफा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पब्लिक सेक्टर की पारंपरिक ज्यादा उत्पादन, ज्यादा सफलता वाली सोच अब बदल रही है। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल)की भोपाल यूनिट ने इस फॉर्मूले को री-डिफाइन करते हुए 'कम में ज्यादा कमाई' का मॉडल अपनाया है। जहां फोकस अब क्वांटिटी नहीं, बल्कि क्वालिटी, कैश फ्लो और कॉस्ट कंट्रोल पर है। भेल भोपाल के कार्यपालक निदेशक पी के उपाध्याय ने साफ संकेत दिया कि यूनिट अब 'वैल्यू एडिशन परफॉर्मेंस' के जरिए प्रॉफिटेबिलिटी को नई ऊंचाई देने की रणनीति पर काम कर रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में भोपाल यूनिट का टर्नओवर 4647 करोड़ रुपए रहा। प्री-टैक्स प्रॉफिट 581 करोड़ रु है। हर 100 रुपए के बिजनेस पर 12.5 रुपए मुनाफा हुआ। यह पीएसयू सेक्टर में मजबूत मार्जिन माना जाता है। कॉरपोरेट स्तर पर भेल ने 33,782 करोड़ रु का राजस्व और 2116 करोड़ रु का पीबीटी दर्ज किया, जिसका बड़ा योगदान भोपाल यूनिट से आया।

ईडी बोले हमारे पास 75916 करोड़ के ऑर्डर बुक किए गएहैं। 31 मार्च 2026 तक 2 लाख 40 हजार करोड़ रु के आर्डर हमारे पास आ चुके थे। वित्तीय वर्ष 2026 ,27 में 4716 करोड़ रुपए का लक्ष्यहै । भेल के अधिकारियों ने यह बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस से लेकर अफ्रीकी देश मोजांबिक की ट्रेन तक के लिए भेल भोपाल यूनिट ने मशीनें और मोटर बनाकर भेजे। ये यहीं का योगदान है।

आधी रात थाने पहुंचे पुलिस अधीक्षक

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पुलिस अधीक्षक देहात पंकज पांडे ने सोमवार को भोपाल देहात की कुर्सी संभाल ली। जिसके बाद वे रात को ही ईंटखेड़ी और बैरसिया थाने में निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने थाने में पदस्थ अधिकारियों और मैदानी कर्मचारियों से अपराधी व अपराध के

तरीके को लेकर मंथन किया। पंकज पांडे इससे पहले रायसेन जिले में पदस्थ थे। उन्होंने रामशरण प्रजापति के स्थान पर कुर्सी संभाली है। पंकज पांडे ने बताया कि उन्होंने आकस्मिक निरीक्षण किया जरूर है, लेकिन वह अपराध के तरीके को समझने के लिए ईटखेड़ी और बैरसिया थाने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि सभी थानों को सार्वजनिक स्थल पर कारोबार करने वाले व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए मुहिम चलाने बोला है। इसके लिए सभी थाना स्तर पर बैठक करके इसके लिए सार्थक पहल की जा रही है। एसपी ने बताया कि अमूमन कारोबारी अपने प्रतिष्ठान के हिसाब से कैमरा लगाते हैं। पुलिस थानों से कहा गया है कि उनका क्षेत्र प्रतिष्ठान के अलावा सड़क तक भी दिखे ऐसा करने के लिए बोला गया है। भोपाल देहात क्षेत्र में सात थाने हैं। इससे पहले उन्होंने डीआईजी राजेश सिंह चंदेल समेत कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की थी।

मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति की लघुकथा कार्यशाला

लघुकथा लेखन को गंभीरता से लेने की जरूरत - डॉ. सूर्यकांत नागर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सूर्यकान्त नागर ने कहा कि लघुकथा लेखन को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। आज लघुकथा को सहजता से लेने वालों के कारण लेखकों की बाढ़ सी आ गई है जो ठीक नहीं है। वे मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति इंदौर द्वारा आयोजित एक दिवसीय लघुकथा लेखन कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे।

इस कार्यशाला में 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया और लघुकथा सृजन की बारीकीयों को वरिष्ठ लघुकथा लेखकों द्वारा समझा, कार्यक्रम का संचालन करते हुए समिति के शिक्षा मंत्री उमेश पारेख ने इस कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश

डाला। विषय प्रवर्तन करते हुए अपनी बात साहित्य मंत्री डॉ.पदमा सिंह ने रखी। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में तरुण भटनागर व विशिष्ठ अतिथि के रूप में घनश्याम मैथिल अमृत उपस्थित थे। लघुकथा का वर्तमान स्वरूप व कलात्मकता पर वरिष्ठ साहित्यकार ज्योति जैन ने और लघुकथा में विषय चयन पर वरिष्ठ लघुकथाकार संतोष सुपेकर ने अपनी बात रखी। सत्र की अध्यक्षता कर रही कांता रॉय ने विस्तार से कार्यशाला में अपने विचार साझा किये। इस अवसर पर अरविन्द जवलेकर तथा राकेश शर्मा सम्पादक वीणा सहित अनेक साहित्यकार उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर | प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में हुआ एमओयू

अब मोबाइल मेडिकल यूनिट से की जाएगी मुफ्त जांच

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश और सनोफी इंडिया लिमिटेड के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू किया गया है, जिसका उद्देश्य राज्य में गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) विशेषकर मधुमेह की शीघ्र पहचान, जागरूकता और बेहतर प्रबंधन को मजबूत करना है। इस समझौते पर एनएचएम मध्यप्रदेश की मिशन डायरेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना और सनोफी इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर दीपक अरोड़ा ने हस्ताक्षर किए।

डॉ. सिडाना ने कहा कि यह साझेदारी विशेष रूप से दूरस्थ और वंचित क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के माध्यम से लोगों को उनके ही क्षेत्र में निःशुल्क जांच, उपचार और टेली-परामर्श की सुविधा दी जाएगी। इससे मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य एनसीडी की

शुरुआती पहचान और समय पर इलाज संभव हो सकेगा। इस एमओयू के तहत दुर्लभ बीमारियों के लिए भी विशेष व्यवस्था की जाएगी, जिसमें शीघ्र निदान, निःशुल्क जांच और उन्नत तकनीकों के माध्यम से उपचार शामिल है। साथ ही स्वास्थ्यकर्मियों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा ताकि मरीजों को बेहतर सेवाएं मिल सकें। इसके अलावा स्कूल स्तर पर 'किड्स एंड डायबिटीज इन स्कूल्स (किड्स)' कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों को स्वस्थ जीवनशैली, पोषण और रोगों की रोकथाम के प्रति जागरूक किया जाएगा। एमओयू के अंतर्गत सिंगरौली, बालाघाट और अनूपपुर जिलों में मोबाइल मेडिकल यूनिट्स शुरू की जाएंगी। इन यूनिट्स में प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी, जांच सुविधाएं और डॉक्टरों से टेली-कंसल्टेशन की व्यवस्था होगी। शुरुआती चरण में यह सेवा इन्हीं तीन जिलों में लागू होगी और बाद में अन्य जिलों तक विस्तार किया जाएगा। सनोफी इंडिया के एमडी दीपक अरोड़ा ने कहा कि भारत में बढ़ते एनसीडी मामलों को देखते हुए शीघ्र पहचान और समय पर उपचार आवश्यक है। ये साझेदारी स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने और मरीजों के बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

पक्षियों के लिए दाना-पानी का संदेश

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्वशासी महाविद्यालय संत हिरदाराम नगर, भोपाल की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा पक्षियों के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से दाना-पानी अभियान का आयोजन किया गया।

इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों ने गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए दाना एवं पानी उपलब्ध कराने का संदेश दिया। कार्यक्रम रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रश्मि सिलारपुरिया की देखरेख में किया गया। रासेयो स्वयंसेवक समिति अध्यक्ष मोहित नरवरिया के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एके सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के अभियान पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

साईं आसनलाल साहिब का जन्मोत्सव आज

संतनगर। भगवान झूलेलाल जी के 24वें वंशज, ठकुर साईं आसनलाल साहिब जी का 115वां जन्मोत्सव छह मई बुधवार को मनाया जाएगा। शाम 5 बजे से पुराना संत हिरदाराम नगर स्थित ठकुर आसनलाल धर्मशाला (बी वार्ड) में धार्मिक कार्यक्रम होंगे। पूज्य सिंधी पंचायत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भरत आसवानी ने बताया कि देश विभाजन के चुनौतीपूर्ण काल में साईं आसनलाल साहिब जी ने सिंधी समाज के बिखराव को रोकने और उन्हें एकजुट करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। उन्होंने न केवल भगवान झूलेलाल जी के भक्ति मार्ग को पुनर्जीवित किया, बल्कि समाज की धार्मिक आस्था को भी नई ऊर्जा दी। उनके आदर्श लाखों अनुयायियों के लिए प्रेरणापुंज बने हुए हैं।

सीएम बोले- इंडिया से भारत बनाने में पीएम मोदी की ऐतिहासिक भूमिका

भोपाल । भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को इंडिया से भारत बनाने की दिशा में कई ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। वे इंडिया से भारत एक प्रवास पुस्तक के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर का निर्माण, राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की गरिमा की पुनर्स्थापना, और कोरोना काल में देश-विदेश में सहयोग जैसे कदमों ने भारत को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने पिछले वर्षों में कई बड़े और सकारात्मक बदलाव देखे हैं।

बंगाल में 86त्न रहा सीएम मोहन का स्ट्राइक रेट

7 सीटों पर किया प्रचार 6 पर जीती बीजेपी प्रदेश के 5 नेताओं को मिली थी जिम्मेदारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों में सबसे ज्यादा चर्चा पश्चिम बंगाल के रिजल्ट की है। जहां बीजेपी पहली बार 294 सीटों में से 206 सीटें जीतकर सरकार बनाने जा रही है। बीजेपी की इस जीत में मप्र के नेताओं, कार्यकर्ताओं ने भी पूरी ताकत लगाई है। सीएम मोहन यादव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सात सीटों पर प्रचार किया। सीएम का स्ट्राइक रेट 86 फीसदी रहा है।

डॉ. मोहन यादव का बंगाल चुनाव अभियान 2 अप्रैल को बांकुरा जिले से शुरू हुआ। सीएम ने बीजेपी उम्मीदवारों के नामांकन में हिस्सा लिया और संयुक्त

जनसभा को संबोधित किया। यही क्लस्टर आगे चलकर भाजपा के लिए सबसे मजबूत साबित हुआ।

18 अप्रैल को सीएम ने कोलकाता और मेदिनीपुर में प्रचार किया। सीएम ने कमरहाटी में बीजेपी उम्मीदवार अरूप चौधरी और मेदिनीपुर विधानसभा सीट पर बीजेपी प्रत्याशी दिलीप घोष के समर्थन में प्रचार किया।

मेदिनीपुरी में तो बीजेपी उम्मीदवार दिलीप घोष 30 हजार के बड़े अंतर से टीएमसी केंडिडेट को हराकर जीत गए। लेकिन, कमरहाटी में अरुप चौधरी टीएमसी उम्मीदवार से चुनाव हार गए।

बीजेपी ने चुनिंदा नेताओं को भेजा

बीजेपी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में चुनिंदा नेताओं को ही भेजा था। सीएम डॉ मोहन यादव के अलावा केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विधायक रामेश्वर शर्मा, मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, राज्यसभा सांसद डॉ उमेश नाथ महाराज को भी भेजा था।

जबलपुर हादसा- 20 साल पुराने क्रूज को दे दी गई क्लीन चिट

पर्यटन निगम का तर्क- लाइफ जैकेट पहनना नहीं अनिवार्य , वाटर स्पोर्ट्स की गाइडलाइन दरकिनार

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के जबलपुर के बरगी डैम में जिस 20 साल पुराने क्रूज की वजह से 13 मौतें हुईं, उसे एमपी टूरिज्म कॉरपोरेशन क्लीन चिट दे रहा है। हादसे की मुख्य वजह अचानक आए तूफान को माना जा रहा है। वहीं लाइफ जैकेट पहनने को लेकर उठ रहे सवालों को लेकर टूरिज्म ने अजीब तर्क देते हुए कहा है कि लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य नहीं है। इसके अलावा वाटर स्पोर्ट्स की गाइडलाइन का भी पालन नहीं किया गया।

यह क्रूज साल 2006 का है। इस हिसाब से उसकी उम्र 20 साल हो चुकी है। निगम के एडवाइजर राजेंद्र निगम ने बताया कि कुछ महीने पहले ही क्रूज के दोनों इंजन बदले थे। इससे उसकी उम्र 10 साल और बढ़ गई थी। क्रूज में कोई तकनीकी समस्या नहीं थी। भविष्य में ऐसा न हो, इसलिए वेदर फोरकास्ट को ठीक करेंगे। निगम के एडवाइजर ने गोवा और विदेश में संचालित क्रूज का हवाला देते हुए कहा कि वहां भी लाइफ जैकेट क्रूज में उपलब्ध है, लेकिन पर्यटक घूमने के दौरान नहीं पहनते हैं।

गाइडलाइन में सुरक्षा से जुड़े मापदंड स्पष्ट

सुरक्षा मानकों के आधार पर क्रूज या वोट पर सवार होते ही लाइफ जैकेट को पहनना अनिवार्य होता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वाटर स्पोर्टस द्वारा गाइडलाइन में तय किए गए मापदंड स्पष्ट हैं जिसमें लाइफ जैकेट भी एक है। हालांकि इन सबके बीच सीएम डॉ. मोहन यादव के आदेश के बाद जांच कमेटी बना दी गई है। 6 कर्मचारियों पर कार्रवाई हो चुकी है।

दो साल पहले हुई थी क्रूज की सर्विसिंग

एडवाइजर निगम का कहना है कि फाइबर रीइन्फोर्स्ड प्लास्टिक (एफआरपी) क्रूज की उम्र 20 से 25 साल होती है। यह अन्य क्रूज में सबसे सुरक्षित माना जाता है। बरगी डैम में डूबे इस क्रूज की दो साल पहले ओवरऑल सर्विसिंग कराई गई थी। इंटरनेशनल मेनी टाइम आर्गेनेशनल के नॉर्म्स को भी फॉलो कर रहे थे। निगम के अनुसार, क्रूज का थर्ड पार्टी इंश्योरेंस हुआ था। इनमें यात्रियों का इंश्योरेंस भी शामिल हैं।

तूफान की पूरी जिम्मेदारी?

तकनीकी रूप से पूरी तरह से ठीक होने के बावजूद क्रूज का डैम में डूब गया? इस सवाल पर एडवाइजर निगम कहते हैं कि प्रदेश में 16 बोट क्लब है। 18 साल से कहीं भी सिंगल एक्सीडेंट नहीं हुआ है। बरगी डैम में अचानक आए तूफान की वजह से क्रूज संभल नहीं सका था और पलट गया था। आगे ऐसा न हो, इसके लिए नया सिस्टम तैयार कर हरे हैं। जहां भी बोट क्लब है, वहां पर वेदर फोरकास्ट के लिए लोकल हेड बनाएंगे। इसके लिए निगम के अफसरों से बात कर रहे हैं।

एनजीटी के आदेश, फिर भी बोट चला रहे?

एडवाइजर निगम ने बताया, नेशनल ग्रीन ट्रूब्नल (एनजीटी) के आदेश के पैरा 130 और 131 में भोपाल और रामसर साइड शिवपुरी में मोटर बोट का संचालन बंद करने का उल्लेख है। बाकी जगहों पर फोर स्ट्रोक इंजन की बोट चल सकती है। दुनिया के 36 देशों में फोर स्ट्रोक इंजन की बोटें चल रही हैं। भोपाल और शिवपुरी में नहीं चला रहे हैं। हालांकि, एक्सपर्ट और एनजीटी में याचिका दाखिल करने वाले भोपाल के सुभाष सी. पांडे का कहना है कि एनजीटी ने उन सभी जलस्त्रोतों में मोटर बोट चलाने पर प्रतिबंध लगाया है, जिनका पानी पीने के लिए उपयोग किया जा रहा हो। बरगी डैम का पानी पीने के लिए उपयोग होता है। ऐसे में यहां पर गलत तरीके से क्रूज चलाया जा रहा था।

जांच कमेटी बनी, अब तक 5 पर कार्रवाई

हादसे के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निरीक्षण किया था। वहीं, मृतकों के परिवार से भी मुलाकात की थी। सीएम के दौरे के बाद सरकार ने क्रूज मामले में एक्शन लिया था। जिसमें क्रूज पायलट महेश पटेल, क्रूज हेल्पर छोटेलाल गोंड एवं टिकट काउंटर प्रभारी (स्त्रह) बृजेंद्र की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त की गई थी। वहीं, होटल मैकल रिसॉर्ट और बोट क्लब बरगी के मैनेजर सुनील मरावी को कार्य में लापरवाही बरतने के कारण निलंबित किया गया था। रीजनल मैनेजर संजय मल्होत्रा को मुख्यालय अटैच कर विभागीय जांच शुरू की गई है। दूसरी ओर, एक कमेटी भी बनाई गई है, जो हादसे की मुख्य वजह की जांच कर रही है।

इंदौर में 3.37 करोड़ का सहकारी घोटाला

अध्यक्ष समेत पदाधिकारियों पर एफआईआर, जमीन सौदे में हुई भारी गड़बड़ी उजागर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शहर की एक सहकारी संस्था में करोड़ों रुपये के घोटाले का बड़ा मामला सामने आया है। करण गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, इंदौर के तत्कालीन अध्यक्ष विजय राठी और अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने 3.37 करोड़ रुपये के गबन के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। जांच में सामने आया है कि संस्था की जमीन को सरकारी गाइडलाइन के विपरीत बेहद कम कीमत पर बेचकर न केवल नियमों का उल्लंघन किया गया, बल्कि संस्था और शासन दोनों को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया।

जांच के अनुसार, संस्था की भूमि का विक्रय कलेक्टर गाइडलाइन के अनुसार लगभग 3 करोड़ 37 लाख 75 हजार रुपये में होना था। लेकिन तत्कालीन अध्यक्ष विजय राठी ने इसे मात्र 50 लाख रुपये में रामकुंवर बिल्डर्स एंड डेवलपर्स प्रा. लि. को बेच दिया। यह सीधा-सीधा नियमों का उल्लंघन माना गया है। ईओडब्ल्यू की जांच में यह भी सामने आया है कि जमीन बिक्री से प्राप्त राशि को सीधे संस्था के हित में उपयोग नहीं किया गया। आरोप है कि यह राशि चरणबद्ध तरीके से विजय राठी के परिजनों, खासकर उनकी पत्नी नम्रता राठी से जुड़ी कंपनियों में ट्रांसफर की गई। इसके बाद समय-समय पर नगद निकासी कर राशि का दुरुपयोग किया गया। संस्था की आम सभा ने 20 मार्च 2005 को यह निर्णय लिया था कि जमीन बेचकर प्राप्त धन से सदस्यों के लिए नई भूमि खरीदी जाएगी। इसी शर्त के साथ 2 मई 2008 को उप-पंजीयक सहकारी संस्था ने अनुमति भी दी थी। लेकिन जांच में पाया गया कि इस शर्त का पालन नहीं किया गया और सदस्यों के हितों को नजरअंदाज किया गया।

ऑडिट में खुला पूरा खेल

वर्ष 2008-09 के ऑडिट में गड़बड़ियों का खुलासा हुआ। रिपोर्ट और अंकेक्षकों के बयान के आधार पर कुल 3,37,75,000 रुपये के गबन की पुष्टि हुई है। जांच में यह भी पाया गया कि रकम के लेन-देन में तेजकरण इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. और रामकुंवर बिल्डर्स एंड डेवलपर्स प्रा. लि. जैसी कंपनियों का इस्तेमाल किया गया। जांच एजेंसियों के मुताबिक, संस्था की जमीन को निजी कंपनी को बेचना, फिर उसी के जरिए रकम को घुमाकर अंततः गबन करना एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा है। इसमें पदाधिकारियों और संबंधित कंपनियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है।

इन धाराओं में मामला दर्ज

आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 409 (आपराधिक विश्वासघात), 420 (धोखाधड़ी) और 120-बी (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया गया है। ईओडब्ल्यू अब पूरे नेटवर्क और पैसों के ट्रेल की गहराई से जांच कर रही है।मामले में संस्था, संबंधित कंपनियां और उनके निदेशक, जिनमें विजय राठी, नम्रता राठी, अभय पुराणिक और ज्योति पुराणिक शामिल हैं।

केरवा डैम पहुंचे मंत्री ने दिए सख्त निर्देश, कहा-

क्षतिग्रस्त वेस्टवियर का कार्य दो माह में पूर्ण करें, छह महीने पहले गिरा था डैम का ब्रिज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने निर्देश दिए हैं कि केरवा डैम के क्षतिग्रस्त वेस्टवियर का कार्य आगामी दो माह में पूर्ण किया जाए। कार्य पूर्ण गुणवत्ता पूर्वक हो एवं संबंधित अधिकारी निरंतर कार्य का निरीक्षण कर वरिष्ठ अधिकारियों को प्रगति की जानकारी दें। कुछ माह पूर्व बांध के वेस्टवियर का स्लैब अत्यधिक पुराना होने के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसका वर्तमान में पुनः निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने मंगलवार को केरवा बांध के क्षतिग्रस्त वेस्टवियर के पुनर्निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और कार्य के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण यंत्री श्री बी.एल. निमामा, कार्यपालन यंत्री श्री नितिन कुहिकर, अनुविभागीय अधिकारी श्री प्रदीप चतुर्वेदी तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

केरवा बांध की कुल लंबाई 396.50 मीटर एवं उंचाई 22.6 मीटर है। बांध की कुल जीवित जल भराव क्षमता 22.6 मिलियन घन मीटर है, जिससे भोपाल जिले के लगभग 35 ग्रामों की 3 हजार 960 हेक्टेयर भूमि में रबी सिंचाई किया जाना रूपांकित है। इसके अतिरिक्त जलाशय से पेयजल के लिए जल भी प्रदाय किया जाता है। स्थल निरीक्षण के दौरान मैदानी अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि टूटे हुए हिस्से को डिस्मेंटल कर नवीन निर्माण के लिए फाउंडेशन लेवल तक खुदाई का कार्य किया जा चुका है।

राज्य स्तरीय क्रियान्वयन समिति का पुनर्गठन

भोपाल। राष्ट्रीय हरित अधिकरण मुख्य बेंच, नई दिल्ली द्वारा म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, 2016 के क्रियान्वयन के लिए राज्य शासन ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम के तहत मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय क्रियान्वयन समिति का पुनर्गठन किया है। समिति में अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नवकरणीय ऊर्जा, पर्यावरण, परिवहन, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, प्रमुख सचिव राजस्व, वन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, खनिज संसाधन, पशुपालन एवं डेयरी, सूक्ष्म, लघू और मध्यम उद्यम, प्रमुख सचिव/सचिव स्कूल शिक्षा, आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास, म.प्र. भोपाल, आयुक्त सदस्य होंगे।

तवा जलाशय में दिखा लुप्त प्राय इंडियन स्किमर पक्षी

भोपाल। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के उत्कृष्ट प्राकृतिक आवास (हैबिटेट) की गुणवत्ता को प्रमाणित करते हुए, यहाँ के तवा जलाशय में लुप्तप्राय पक्षी इंडियन स्किमर का दुर्लभ दर्शन दर्ज किया गया है। बोट गश्ती के दौरान वन विभाग के स्टाफ को कुल 8 इंडियन स्कीमर दिखाई पड़े, जिनकी तस्वीर मढ़ई रेंजर द्वारा ली गई है। तवा जलाशय का यह क्षेत्र वन्यजीवों के लिए एक आदर्श और सुरक्षित आवास के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। इंडियन स्किमर भारत के अत्यंत संकटग्रस्त नदी-आधारित पक्षियों में शामिल है, जिसकी संख्या लगातार घट रही है। यह पक्षी अपनी विशिष्ट लंबी निचली चोंच के लिए जाना जाता है।

मेट्रो एंकर

दतिया में गेहूं खरीदी या भ्रष्टाचार की मंडी!, खुली दावों की पोल

सरकारी केंद्रों पर तौला जा रहा मिट्टी मिला सड़ा गेहूं

दतियां, दोपहर मेट्रो

दतिया में समर्थन मूल्य पर चल रही गेहूं खरीदी में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं सामने आई हैं। कई खरीदी केंद्रों पर नियमों को दरकिनार कर गीला, सड़ा और मिट्टी मिला गेहूं भी खरीदा जा रहा है, जिससे पूरी व्यवस्था कटघरे में आ गई है। जिले में कई खरीदी केंद्रों पर मानकों को ताक पर रखकर गीला और सड़ा हुआ गेहूं खरीदा जा रहा है। हालात इतने खराब हैं कि मिट्टी, कंकड़ और पत्थर मिला गेहूं भी बिना किसी छनाई और जांच के सीधे बोरियों में भरकर तौला जा रहा है। गुणवत्ता जांच के लिए गोदामों पर सर्वेयर तक मौजूद नहीं हैं, जिससे पूरी खरीदी प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं।

इस सीजन गेहूं की खरीदी 20 अप्रैल से शुरू हुई थी, जो 23 मई तक चलेगी। जिले में कुल 49 खरीदी केंद्र बनाए गए हैं, जहां 19,700 से ज्यादा पंजीकृत किसान गेहूं बेचने के पात्र हैं। सोमवार तक 4,622 किसानों से 2.31 लाख क्विंटल से ज्यादा गेहूं खरीदा जा चुका है। इसमें से करीब 2 लाख क्विंटल परिवहन के लिए तैयार है, लेकिन अब तक केवल 1.82 लाख क्विंटल का ही उठाव हो सका है। करीब 21 हजार क्विंटल गेहूं अब भी केंद्रों पर खुले आसमान के नीचे पड़ा है।

नियमों के मुताबिक खरीदी केंद्रों पर बरसात से बचाव के लिए त्रिपाल और फट्टों की व्यवस्था जरूरी है, लेकिन कई जगह ये इंतजाम नहीं हैं। इसके चलते खुले में रखा गेहूं भीगकर सड़ गया है। हैरानी की बात यह है कि इसी सड़े और बदबूदार गेहूं को भी तौलकर खरीदा जा रहा है और गुणवत्ता जांच केवल औपचारिकता बनकर रह गई है।

उनाव रोड स्थित गाड़ीघाट के सामने गोविंद मार्केटिंग खरीदी केंद्र का दृश्य चौंकाने वाला था। यहां गेहूं के बड़े-बड़े ढेर लगे थे और तुलाई जारी थी। बुधेड़ा और इसी केंद्र पर 30 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रॉलियां तुलाई के इंतजार में खड़ी थीं। गोदाम पूरी तरह भरा हुआ था और कई जूट के बोरे फटे हुए थे, जिनसे गेहूं जमीन पर बिखर रहा था। मिट्टी मिला गेहूं रिजेक्ट होने पर किसान उसे वापस ले जाने को मजबूर दिखे। दुरसड़ा के आराध्या वेयरहाउस स्थित खरीदी केंद्र पर भी अव्यवस्था देखने को मिली। यहां कामद, इमलिया और चरवरा केंद्र संचालित होते हैं। गोदाम के बाहर 50 से ज्यादा ट्रैक्टर-ट्रॉलियां गेहूं से भरी खड़ी थीं और किसान सुबह से तुलाई का इंतजार कर रहे थे।

शांति वेयरहाउस में भी गड़बड़ी

इसके बाद टीम उनाव रोड पर एयरपोर्ट के पास शांति वेयरहाउस के पठरा खरीदी केंद्र पहुंची। यहां भी गेहूं खुले मैदान में पड़ा मिला। बिना तुले गेहूं साफ था, लेकिन तौली गई बोरियों में हाथ डालने पर मिट्टी मिली। आठ-नौ बोरियों की जांच में हर बोरी में 25 से 30 प्रतिशत तक काली मिट्टी पाई गई। इससे साफ है कि बिना छनाई और मिलीभगत से घटिया गेहूं भरा जा रहा है। इस पूरे मामले पर जिला आपूर्ति अधिकारी सनंद शुक्ला ने कहा, मैं कल ही खरीदी केंद्रों का निरीक्षण करूंगा। जहां भी गड़बड़ी मिलेगी, उस केंद्र को बख्शा नहीं जाएगा। कुछ जगह सेकंड यूज बारदाना इस्तेमाल हुआ है, इस कारण दिक्कत आ रही है।

जनादेश की धड़कन

लोकतंत्र के विशाल रंगमंच पर जब जनादेश अपनी अंतिम पंक्ति लिखता है, तो वह केवल विजेताओं का उत्सव नहीं होता-वह समय के मनोभावों का आईना भी होता है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने एक बार फिर भारतीय राजनीति के केंद्र में उस प्रश्न को ला खड़ा किया है, जो हर चुनाव के बाद नए सिरे से जन्म लेता है-क्या यह जीत 'परफॉर्मेंस' की है, या परिस्थितियों की? दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में जश्न की रोशनी जितनी चमकीली है, उतनी ही गहरी उसकी राजनीतिक अर्थवत्ता भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे 'परफॉर्मेंस की पॉलिटिक्स' की विजय कहा। यह वाक्य, एक साधारण राजनीतिक घोषणा से अधिक, उस विचारधारा का विस्तार है जिसमें शासन को सेवा और परिणामों के तराजू पर तौला जाता है। 'नागरिक देवो भव' का मंत्र इसी दर्शन का काव्यात्मक रूप है- जहां जनता केवल मतदाता नहीं, बल्कि केंद्र बिंदु बन जाती है। गंगोत्री से गंगासागर तक 'कमल' के खिलने की बात एक राजनीतिक रूपक है, जो सत्ता के विस्तार को सांस्कृतिक प्रतीकों में पिरोता है। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में मिली सफलता केवल भौगोलिक उपलब्धि नहीं, बल्कि उस रणनीति का परिणाम है जिसमें स्थानीय आकांक्षाओं और राष्ट्रीय विमर्श को एक सूत्र में बांधने की कोशिश की गई। असम में लगातार तीसरी बार एनडीए पर भरोसा, और पुडुचेरी में विकास के विजन पर जनता की मुहर-ये संकेत हैं कि मतदाता अब वादों से अधिक परिणामों को तरजीह देने लगा है। लेकिन लोकतंत्र की सबसे सुंदर तस्वीर मतदान प्रतिशत में उभरती है। पश्चिम बंगाल का 93% मतदान और अन्य राज्यों में रिकॉर्ड भागीदारी यह बताती है कि भारत का मतदाता अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदार है। विशेषकर महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति इस कथा को और उजला बनाती है। फिर भी, हर विजय अपने साथ कुछ अनुत्तरित प्रश्न छोड़ जाती है। क्या यह जनादेश सत्ता के प्रदर्शन की स्वीकृति है, या विपक्ष की शिथिलता का परिणाम? क्या ह्यपरफॉर्मेंसह्न का यह विमर्श हर उस नागरिक की अपेक्षाओं को छू पाता है, जो अभी भी व्यवस्था के किनारों पर खड़ा है? राजनीति में जीत अंतिम सत्य नहीं होती, वह केवल एक अध्याय होती है। असली कथा उसके बाद लिखी जाती है- जब वादों को नीतियों में और नीतियों को जमीनी बदलाव में बदलना होता है।

बदलते बंगाल की नई इबारत: वाम से ममता और अब भाजपा!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी
स्तंभकार

पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से विचारधाराओं, आंदोलनों और सत्ता संघर्षों की प्रयोगशाला रही है। 1977 से 2011 तक वामपंथ का लंबा शासन, उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस का उदय और अब 2026 में भारतीय जनता पार्टी का स्पष्ट बहुमत- ये तीनों चरण वास्तव में इस राज्य के लिए जनमानस के बदलते विश्वास का प्रतिबिंब हैं।

1977 में ज्योति बसु के नेतृत्व में वाम मोर्चा सत्ता में आया और अगले 34 वर्षों तक उसने राज्य की राजनीति पर एकछत्र राज किया। शुरुआती वर्षों में भूमि सुधार और पंचायत सशक्तिकरण जैसे कदमों ने ग्रामीण समाज को नई दिशा दी, लेकिन समय के साथ यही शासन तंत्र जड़ता का शिकार हो गया। सत्ता का केंद्रीकरण, राजनीतिक हिंसा और औद्योगिक विकास की कमी, हिन्दू अत्याचार, मुस्लिम तुष्टिकरण से जैसे राज्य की सामाजिक व्यवस्था और आर्थिक गति को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया था।

नंदीग्राम और सिंगूर: बदलाव की चेतना: 2007 के नंदीग्राम और सिंगूर आंदोलनों ने वामपंथी शासन की नींव को हिला दिया। भूमि अधिग्रहण के खिलाफ उठे इन जनआंदोलनों ने यह स्पष्ट कर दिया कि जनता अब विकास के नाम पर जबरदस्ती स्वीकार करने को तैयार नहीं है। इन घटनाओं ने जनता के भीतर परिवर्तन की इच्छा को मजबूत किया।

ममता बनर्जी का उदय और उम्मीदों का नया दौर: 2011 में ममता बनर्जी ने 'मां, माटी, मानुष' के नारे के साथ सत्ता संभाली। ममता बनर्जी ने खुद को गरीबों, किसानों और आम लोगों की नेता के रूप में स्थापित किया। शुरुआती वर्षों में उनकी लोकप्रियता चरम पर थी और लगा कि बंगाल एक नई दिशा में आगे बढ़ेगा। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता चला, लोगों के ध्यान में आया कि ममता बनर्जी भी उसी राह पर चल पड़ी हैं, जिसके चलते वामपंथी शासन का किला यहां की जनता ने ढहाया था। समय के साथ ममता सरकार पर भी वही आरोप लगने लगे जो कभी वामपंथ पर लगते थे। 'कट मनी', राहत घोटाले और प्रशासनिक पक्षपात जैसे मुद्दों ने सरकार की विश्वसनीयता को कमजोर किया। स्थानीय स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं का बढ़ता प्रभाव और प्रशासन पर राजनीतिक दबाव ने शासन की पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए।

राजनीतिक हिंसा: एक स्थायी चुनौती: पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा एक गंभीर समस्या रही है। 2021 के चुनावों के बाद हुई हिंसा ने पूरे देश का ध्यान खींचा। आरोप लगे कि विपक्षी कार्यकर्ताओं विशेष तौर पर बीजेपी के कार्यकर्ता और पार्टी पदाधिकारियों को निशाना बनाया गया। इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठे और जनता के भीतर असुरक्षा की भावना बढ़ी।

महिला सुरक्षा और सामाजिक असंतोष: महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों, विशेष रूप से आरजी कर मेडिकल कॉलेज जैसी घटनाओं ने सरकार की संवेदनशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाया। जिस 'मां, माटी, मानुष' के नारे के साथ ममता बनर्जी ने सत्ता संभाली थी, ध्यान में आया कि उनके शासन में लगातार महिलाओं पर हिंसा बढ़ी है, बलात्कार के अनेक मामले एक के बाद एक यहां सामने आए हैं। जिसके परिणाम स्वरूप महिलाओं का एक बड़ा वर्ग सरकार से निराश होता गया। यह असंतोष धीरे-धीरे राजनीतिक रूप लेने लगा और चुनावी परिणामों में आज इसका असर स्पष्ट दिखाई दिया है।

भाजपा का प्रवेश: विकल्प की तलाश का उत्तर: भारतीय जनता पार्टी ने बंगाल में धीरे-धीरे अपनी जड़ें मजबूत कीं। 2019 के लोकसभा चुनाव में 42 में से 18 सीटें जीतकर पार्टी ने यह संकेत दे दिया था कि वह अब एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और उनकी छवि ने पार्टी को विश्वसनीय विकल्प के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यहां देखने में आता है कि भाजपा ने केवल चुनावी रणनीति पर ही नहीं, बल्कि संगठनात्मक विस्तार पर भी जोर दिया। बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता, सामाजिक समीकरणों को साधने की रणनीति और लगातार जनसंपर्क ने पार्टी को मजबूत आधार दिया। यह विस्तार सामाजिक स्तर पर भी प्रभावी साबित हुआ और आज भाजपा यहां निर्णायक सत्ताधारी दल के रूप में स्थापित होने जा रही है।

जनादेश का निर्णायक संदेश: अब तक के सामने आए विधानसभा चुनाव में बढ़त को देखकर लगता है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। यहां हुआ 92 प्रतिशत से अधिक मतदान यह दर्शाता है कि जनता ने इस बार निर्णायक बदलाव का मन बना लिया था। जोकि शासन के प्रति जनता के असंतोष का स्पष्ट संदेश है। कहना होगा कि भाजपा की जीत आज उस व्यापक जनभावना का परिणाम है जो बदलाव चाहती थी। लोगों ने भाजपा को एक ऐसे विकल्प के रूप में देखा जो स्थिरता, विकास और मजबूत शासन दे सकता है। भाजपा के सत्ता में आने से केवल सरकार नहीं बदलेगी, बल्कि राजनीतिक संस्कृति में भी बदलाव की उम्मीद की जा रही है। हिंसा मुक्त चुनाव, पारदर्शी प्रशासन और विकास केंद्रित राजनीति, ये वे अपेक्षाएं हैं जो जनता भाजपा से कर रही है।

आर्थिक विकास की नई उम्मीदें: बंगाल लंबे समय से औद्योगिक विकास में पिछड़ता रहा है। भाजपा के नेतृत्व में निवेश, उद्योग और रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। केंद्र और राज्य के बेहतर समन्वय से विकास को गति मिल सकती है। पश्चिम बंगाल की राजनीति का यह सफर दर्शाता है कि जनता हमेशा बदलाव की तलाश में रहती है। 34 वर्षों का वाम शासन, 15 वर्षों का तृणमूल शासन और अब भाजपा का उदय, आज ये सभी उस लोकतांत्रिक चेतना के प्रतीक हैं जो समय-समय पर खुद को अभिव्यक्त करती है। 2026 का जनादेश पश्चिम बंगाल के लिए एक नई दिशा की शुरुआत है, जिसमें भाजपा के नेतृत्व में बंगाल एक नए अध्याय की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

तेल कंपनियों का बढ़ता मुनाफा और उपभोक्ताओं पर पड़ता बोझ

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

भारत में पेट्रोलियम क्षेत्र एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान देश की प्रमुख तेल कंपनियों ने जिस तरह से मुनाफा कमाया है, उसने आम जनता, विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के बीच नई बहस को जन्म दे दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इन कंपनियों ने रोजाना औसतन 116 करोड़ रुपये का लाभ कमाया, जो पूरे वर्ष में करीब 1.37 लाख करोड़ रुपये के आसपास बैठता है। यह आंकड़ा न केवल चौंकाने वाला है बल्कि यह भी संकेत देता है कि बाजार की जटिल परिस्थितियों के बावजूद कंपनियों की कमाई लगातार मजबूत बनी हुई है।

पिछले तीन वर्षों से तेल कंपनियों का मुनाफा लगातार बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद कंपनियों ने अपने मार्जिन को बनाए रखा है। खास बात यह है कि जब वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो कंपनियां कीमतें बढ़ाने की बात करती हैं, लेकिन जब कीमतें घटती हैं, तो उपभोक्ताओं को उसका पूरा लाभ नहीं मिल पाता। 2022-23 में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद कच्चे तेल की कीमतें 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। उस समय भी अधिकांश तेल कंपनियों ने भारी मुनाफा कमाया था। इसके बाद 2023-24 और 2024-25 में कीमतों में कुछ गिरावट आई, लेकिन कंपनियों के लाभ में कोई खास कमी नहीं आई। 2025-26 में भी यही ट्रेंड जारी रहा। केयर एज रेटिंग के अनुसार, तीसरी तिमाही में रिफाइनिंग मार्जिन प्रति बैरल लगभग 13 डॉलर तक पहुंच गया था, जो भारतीय मुद्रा में करीब 1,235 रुपये होता है। इसका सीधा असर कंपनियों की कमाई पर पड़ा।अगर पेट्रोल और डीजल के स्तर पर देखा जाए, तो कंपनियों को प्रति लीटर 7 से 6 रुपये तक का लाभ मिल रहा था। इससे पहले 2024-25 में यह मार्जिन 12 से 14 रुपये प्रति लीटर तक था। यह साफ दिखाता है कि कंपनियों ने लागत और बिक्री मूल्य के बीच एक ऐसा संतुलन बनाया है, जिससे उनका मुनाफा लगातार बढ़ता रहा।

हालांकि, दूसरी ओर उपभोक्ताओं की स्थिति उतनी मजबूत नहीं रही। आम जनता को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अपेक्षित राहत नहीं मिल पाई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें घटने के बावजूद घरेलू स्तर पर कीमतों में सीमित कटौती ही देखने को मिली। इससे यह सवाल उठता है कि क्या तेल कंपनियों का मुनाफा उपभोक्ताओं की कीमत पर बढ़ रहा है। 2026 की शुरुआत में ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध की स्थिति ने एक बार फिर तेल बाजार को प्रभावित किया। 26 फरवरी 2026 से शुरू हुए इस संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई और यह 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। हालांकि बाद में कीमतें घटकर 116 डॉलर तक आ गईं। इस दौरान तेल कंपनियों ने दावा किया कि उन्हें पेट्रोल पर प्रति लीटर 14 रुपये और डीजल पर 10 रुपये का नुकसान हो रहा है। लेकिन यह दावा उस समय सवालों के घेरे में आ गया जब उनके पिछले मुनाफे के आंकड़े सामने आए। विशेषज्ञों का मानना है कि तेल कंपनियां अपने नुकसान और मुनाफे को संतुलित तरीके से प्रस्तुत करती हैं। जब कीमतें बढ़ती हैं तो नुकसान का हवाला दिया जाता है और जब कीमतें घटती हैं तो मुनाफे की बात कम ही सामने आती है। यह रणनीति बाजार और उपभोक्ताओं दोनों को प्रभावित करती है। सरकार की भूमिका भी इस पूरे मामले में महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार ने 27 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी, जिससे आम जनता को कुछ राहत मिली। हालांकि इससे सरकार को हर महीने करीब 12,000 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है। इस घाटे की भरपाई के लिए सरकार ने डीजल के निर्यात पर टैक्स बढ़ा दिया, जिससे अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। भारत में हर महीने औसतन 191 करोड़ लीटर डीजल का निर्यात होता है। टैक्स बढ़ने के बाद सरकार को केवल डीजल निर्यात से ही करीब 10,500 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हो रही है। इससे यह साफ है कि सरकार भी राजस्व संतुलन बनाए रखने के लिए अलग-अलग उपाय कर रही है। तेल कंपनियों द्वारा उठाए गए कुछ कदम भी चर्चा में रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, कुछ क्षेत्रों में एक बार में 200 लीटर से अधिक पेट्रोल या डीजल देने पर प्रतिबंध लगाया गया। यह कदम आपूर्ति को नियंत्रित करने और संभावित संकट से निपटने के लिए उठाया गया था। हालांकि इससे छोटे व्यवसायों और किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार और कंपनियों दोनों को मिलकर एक संतुलित नीति बनानी चाहिए, जिससे कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत रहे और उपभोक्ताओं को भी उचित कीमत मिले। इसके लिए मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता, टैक्स संरचना में सुधार और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना जरूरी है। भविष्य की बात करें तो भारत तेजी से ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा और अन्य वैकल्पिक स्रोतों पर जोर दिया जा रहा है। इससे आने वाले वर्षों में तेल की मांग पर असर पड़ सकता है। ऐसे में तेल कंपनियों को भी अपने बिजनेस मॉडल में बदलाव लाना होगा। अंततः यह कहा जा सकता है कि तेल कंपनियों का बढ़ता मुनाफा केवल एक आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और राजनीतिक महत्व का विषय भी बन चुका है। जब तक उपभोक्ताओं को उचित राहत और पारदर्शिता नहीं मिलेगी, तब तक यह बहस जारी रहेगी। सरकार, कंपनियों और जनता के बीच संतुलन बनाना ही इस चुनौती का सबसे प्रभावी समाधान हो सकता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

हमेशा एयर कंडीशनर में रहने से हो सकता है इम्युनिटी पर असर

एयरकंडीशनर हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बनता जा रहा है। घर से लेकर ऑफिस तक, दिन का ज्यादातर हिस्सा एसी में गुजरता है। इसके अपने फायदे हैं, लेकिन कुछ नुकसान भी होते हैं। लगातार ठंडी और ड्राई हवा में रहने से इम्यूनिटी कमजोर पड़ सकती है। साथ ही बंद कमरे का माहौल और टेम्परेचर में बार-बार बदलाव सेहत के लिए चुनौती बन सकता है। ऐसे में जरूरी है कि एसी के इस्तेमाल के साथ अपनी सेहत का भी ध्यान रखें।

एक्सपर्ट के मुताबिक लगातार ठंडे टेम्परेचर में रहने से शरीर की थर्मोरेगुलेशन प्रक्रिया स्लो हो जाती है। कम वेंटिलेशन वाले कमरों में कार्बन डाइऑक्साइड और इनडोर पॉल्यूशन बढ़ सकता है। एयर फ्लो के सामने बैठने से आंखों में ड्राईनेस और जलन हो सकती है। टेम्परेचर में बार-बार बदलाव से मसल स्टिफनेस और सिरदर्द हो सकता है। एसी फिल्टर गंदा होने पर एलर्जन और धूल के कण से इन्फेक्शन हो सकता है। लगातार ठंडे वातावरण में रहने से शरीर बाहरी टेम्परेचर के अनुसार एडजस्ट नहीं हो पाता है। इससे इम्यून सिस्टम प्रभावित होता है।

ड्राई एयर से म्यूकस मेम्ब्रेन की नमी घट जाती है, इससे संक्रमण हो सकता है और धूप न मिलने से विटामिन-D की कमी हो सकती है।

बंद जगहों में वायरस और बैक्टीरिया का ट्रांसमिशन तेजी से होता है। स्किन ड्राईनेस और डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है, जिससे स्किन बैरियर कमजोर होता है। कमजोर इम्यूनिटी और लो फिजिकल एक्टिविटी वालों को सर्कुलेटरी प्रॉब्लम हो सकती है।

हालांकि बहुत अधिक गर्मी में एसी शरीर को ओवरहीटिंग और हीट-स्ट्रेस से बचाने में मदद करता है। इसलिए समस्या एसी नहीं, बल्कि बार-बार ठंडे और गर्म माहौल में बदलाव है। शरीर को टेम्परेचर के अनुसार खुद को एडजस्ट करने के लिए समय चाहिए। स्टेबल टेम्परेचर पर रहना थर्मल एडैप्टेशन को संतुलित रखता है। अरब देशों में सेंट्रलाइज्ड एसी और बेहतर वेंटिलेशन के कारण कम रिस्क होता है । ऐसी के टेम्परेचर 24-26एष्ट के बीच रखना शरीर के लिए आरामदायक माना जाता है। लगातार कई घंटों तक बैठने की बजाय बीच-बीच में ब्रेक लेकर मूवमेंट करें। कमरे में कुछ समय खिड़की खोलकर फ्रेश एयर सर्कुलेशन बनाए रखने से परेशानी नहीं होगी।

सुविचार

महानता कभी ना गिरने में नहीं है,
बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है ।
-अज्ञात

टेक्नो अपडेट

ओपन एआई के पहले स्मार्टफोन में होगा मीडियाटेक प्रोसेसर, 3 करोड़ यूनिट बनाने की तैयारी

सैम ऑल्टमैन की कंपनी ओपनएआई स्मार्टफोन लॉन्च करने की तैयारियों में है। रिपोर्टों में दावा है कि यह फोन साल 2027-28 तक मार्केट में आ सकता है। सबसे अधिक कयास इसके फीचर्स और स्पेसिफिकेशंस के लिए लगाए जा रहे हैं। एनालिस्ट-मिंग ची कुओ के हवाले से सामने आया है कि 'ओपनएआई स्मार्टफोन' में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 9600 चिपसेट दिया जा सकता है। यह कस्टमाइज्ड प्रोसेसर होगा जिसे खासतौर पर ओपनएआई स्मार्टफोन के लिए तैयार किया जा रहा है।

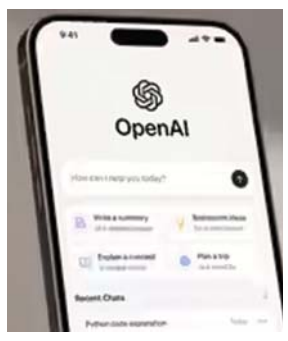

ओपनएआई स्मार्टफोन' में मिलने वाले प्रोसेसर को wnm प्रोसेस पर तैयार किया जा सकता है। इसमें LPDDR6 रैम के साथ UFS 5.0 मिलने की उम्मीद है। आसान भाषा में समझाएं तो इन हाईटेक खूबियों के साथ यह डिवाइस तेजी से अपने टास्क पूरे करेगी। फाइलें ट्रांसफर करना आसान होगा। कहा जाता है कि कंपनी, कैमरा सेंसर पर ध्यान देने के बजाए इन्हैंस्ड HDR देने का लक्ष्य लेकर चल रही है, ताकि फोन के लिए रियल-वर्ल्ड की चीजों को देखना और समझना आसान हो जाए। मिंग ची कुओ का कहना है कि ओपनएआई स्मार्टफोन का प्रोडक्शन साल 2027 की पहली छमाही में शुरू हो सकता है। 1 साल के अंदर कंपनी 3 करोड़ यूनिट बना सकती है।

पहले ऐसी खबरें आ रही थीं कि कंपनी एआई पावर्ड ईयरबड्स या स्पीकर लाने पर विचार कर रही है, लेकिन अब स्मार्टफोन को लेकर अधिक खबरें आ रही हैं। पूरी दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग बढ़ रहा है। ओपनएआई का चैटजीपीटी भी दुनिया में बहुत पॉपुलर है। हाल की कुछ रिसर्च में सामने आया है कि लोग अब ऐसे स्मार्टफोन खरीदना चाहते हैं जिनमें एआई फीचर्स मौजूद हों। ऐसा लगता है कि ओपनएआई, लोगों के मिजाज को भुनाना चाहती है। अगर वह स्मार्टफोन की दुनिया में दस्तक देती है तो यह लोगों के लिए नया अनुभव होगा।

ना एंड्रॉयड, ना iOS : ओपनएआई स्मार्टफोन को लेकर कहा जाता है कि वह ना तो एंड्रॉयड ओएस पर चलेगा ना ही iOS पर। सिस्टम में पूरा काम एआई की मदद से किया जाएगा। कॉलिंग और मैसेजिंग के लिए भी लोगों को एआई की मदद मिलेगी। लोग सिर्फ बोलकर, कॉलिंग और मैसेजिंग कर पाएंगे। पहले आई रिपोर्ट में हमने जाना था कि ओपनएआई ने पहला 'AI फर्स्ट' फोन डेवलप करने के लिए क्वॉलकॉम और मीडियाटेक जैसी कंपनियों से हाथ मिलाया है। साथ ही Luxshare से भी भागीदारी की है, जो ओपनएआई के पहले एआईफोन के लिए डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग का काम संभालेगी। यह ऐसा स्मार्टफोन होगा जो ना तो आईओएस होगा और ना ही एंड्रॉयड पर चलेगा।

वायरल कंटेंट

पढ़ाई छोड़ मोबाइल में डूबी बेटी, नजर रखने के लिए मां-बाप को रखने पड़े बाउंसर

इन दिनों इंटरनेट पर एक कहानी सबका ध्यान खींच रही है, जिसमें बताया जा रहा है, एक 16 वर्षीय लड़की की मोबाइल की लत इतनी गंभीर हो गई कि उसके परिवार को उसकी निगरानी के लिए पेशेवर बाउंसर रखने पड़े। आज के समय में बच्चों और स्मार्टफोन के बीच बढ़ती नजदीकियां किसी से छिपी नहीं हैं, लेकिन गुजरात के अहमदाबाद से सामने आया एक मामला इस समस्या का खतरनाक रूप देखने को मिला है। यहां एक 16 वर्षीय लड़की की मोबाइल की लत इतनी गंभीर हो गई कि उसके परिवार को उसकी निगरानी के लिए पेशेवर बाउंसर रखने पड़े।

बताया जा रहा है कि यह लड़की सोशल मीडिया और फोटो शेयरिंग प्लेटफॉर्म्स पर इतना समय बिताने लगी थी कि वह अनजान लोगों से घंटों बातचीत करने लगी। धीरे-धीरे उसकी यह आदत और भी खतरनाक हो गई, जब वह घरवालों से छिपकर ऑनलाइन मिले लोगों से मिलने बाहर जाने लगी। माता-पिता के लिए चिंता की स्थिति तब और गंभीर हो गई, जब उन्होंने उसका फोन छीना और बदले में लड़की का व्यवहार बेहद आक्रामक हो गया। एक घटना में उसने गुस्से में अपनी मां पर हमला कर दिया और घर में तोड़फोड़ शुरू कर दी। इतना ही नहीं, उसने अपने ऊंचे अपार्टमेंट की खिड़की से टीवी और माइक्रोवेव जैसे महंगे सामान नीचे फेंक दिए। इस स्थिति को संभालना परिवार के लिए बेहद मुश्किल हो गया। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह पर दवाइयों के साथ सख्त निगरानी जरूरी समझी गई।

इसी कारण परिवार ने चार बाउंसरों को दो शिफ्टों में नियुक्त किया है, जो दिन-रात किशोरी पर नजर रखते हैं। इसके लिए परिवार को हर महीने करीब 65 हजार रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। बाउंसरों का मुख्य काम यह सुनिश्चित करना है कि वह लड़की खुद को या दूसरों को नुकसान न पहुंचाए और किसी जोखिम भरे कदम से दूर रहे। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, ऐसे मामले अब तेजी से बढ़ रहे हैं। सूरत में एक अन्य परिवार ने अपने 17 वर्षीय बेटे की गेमिंग लत के चलते आठ बाउंसर रखे थे। वहीं वडोदरा और राजकोट जैसे शहरों में भी माता-पिता बच्चों के आक्रामक व्यवहार, गलत संगत या नशे की आदतों से निपटने के लिए सुरक्षा सेवाओं का सहारा ले रहे हैं, जिसका खर्च काफी ज्यादा होता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि कोविड-19 महामारी के बाद बच्चों में डिजिटल निर्भरता काफी बढ़ी है। यह समस्या अब नशे की लत की तरह गंभीर होती जा रही है, जहां सामान्य समझाइश या अनुशासन काम नहीं करता। कई मामलों में बच्चों को लंबे समय तक चिकित्सा देखभाल और निगरानी की जरूरत पड़ती है, जिससे यह साफ है कि यह एक उभरती हुई बड़ी सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य चुनौती बन चुकी है।

निशाना

वक्त बीत जाने के बाद..!

दिनेश मालवीय 'अश्क'

वक्त को पहचाना, वक्त बीतने के बाद
प्यास भी जगी तो घट रीतने के बाद।
कुछ नहीं इंसान यहां जो है वक्त है
सीखने कुछ न रहा,यह सीखने के बाद।
पूछिए जाकर सिकंदर से यह कब्र मे
क्या लगा उसको जहां को जीतने के बाद।
कोई भी तस्वीर बसी दिल में फिर नहीं
आंख से तस्वीर तेरी खींचने के बाद।
बागबां रखता न कुछ उम्मीद चमन से
खून-पसीने से उसे सींचने के बाद।
आंख है खुली तो जहां का वजूद है
कुछ भी नहीं है, आंख तेरे मींचने के बाद।
हीरे, जवाहरात सब खुद में ही मिलेंगे
हमको खुला यह सागर उलीचने के बाद।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर ट्रॉले से टक्कर के बाद कार में लगी आग, जिंदा जला चालक

रतलाम। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। हालात ये हैं कि, यहां हर रोज सड़क दुर्घटनाओं में सैकड़ों लोग घायल हो रहे हैं, जबकि इन्हीं में दर्जनों अपनी जान भी गवा रहे हैं। हालिया सड़क हादसे की खबर सूबे के रतलाम जिले से गुजरने वाले दिल्ली - मुंबई एक्सप्रेस - वे से सामने आई है। यहां शिवगढ़ थाना इलाके के ग्राम बावड़ी के समीप मंगलवार एक कार और ट्राले के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि, टक्कर के बाद न सिर्फ बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई, बल्कि उसमें आग भी लग गई। हादसे में कार चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कार में सवार पिता - पुत्री आग से झुलसने से गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद गंभीर रूप से घायल पिता - पुत्री को रतलाम मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जबकि, चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, 48 वर्षीय किराना व्यापारी नरेंद्र राठौड़ पिता शांतिलाल राठौड़ निवासी मेघनगर जिला झाबुआ मंगलवार दोपहर अपनी 22 वर्षीय बेटी तीसा राठौड़ को सीए इंटर मीडिएट की परीक्षा दिलाने के लिए कार में मेघनगर से रतलाम आ रहे थे। कार ड्राईवर 19 वर्षीय रोहित मुनिया पिता जानिया मुनिया निवासी ग्राम खुटावा थाना कल्याणपुरा जिला झाबुआ चला रहा था। वे रतलाम जिले के शिवगढ़ थाना इलाके के ग्राम बावड़ी के पास पहुंचे थे, तभी कार आगे चल रहे ट्राले से टकरा गई। टक्कर के बाद कार में आग लग गई। कार ड्राईवर रोहित मुनिया और नरेंद्र राठौड़ व उनकी पुत्री। तीसा घायल हो गए। घायल होने के कारण कार से तीनों बाहर नहीं निकल पाए।वहीं, कार में आग लग गई। वहीं, आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और जैसे - तैसे जलती कार से ड्राईवर समेत पिता-पुत्री को बाहर निकाला और एंबुलेंस बुलाकर मेडिकल कॉलेज भिजवाया। जहां गंभीर झुलसने और चौटिल होने से चालक रोहित की मौत हो गई, जबकि पिता - पुत्री घायल हैं।

घटना के बाद तुरंत पहुंचे ग्रामीण

इधर, तीनों को कार से बाहर निकाले जाने के बाद कार में आग में लगी आग ने विकराल रूप धारण कार लिया और उससे ऊंची - ऊंची लपटे निकलने लगी। अगर समय रहते ग्रामीण मौके पर पहुंचकर कार सवार लोगों को बाहर न निकालते तो हादसे में पिता - पुत्री की भी गंभीर रूप से झुलसने से जान जा सकती थी। हादसे की जानकारी लगते ही शिवगढ़ थाना प्रभारी रणजीत सिंह मकवाना पुलिस टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। थाना प्रभारी रणजीत सिंह मकवाना ने बताया कि, आगे चल रहे ट्राले से कार पीछे से जाकर टकरा गई थी। टक्कर के बाद दोनों वाहनों के बीच हुए घर्षण से कार में आग लग गई। मामले की जांच की जा रही है।

पिता - पुत्री का इलाज जारी

दूसरी तरफ मेडिकल कॉलेज के प्रभारी सीएमओ आकिश खान ने बताया कि, एंबुलेंस से तीन घायलों को लाया गया है, जिनमें से कार चालक की मौत अस्पताल पहुंचने से पहले ही हो चुकी थी, जबकि पिता - पुत्री की हालत गंभीर है। उन्हें भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। ड्राईवर को चोटे आने के साथ वो बुरी तरह से झुलस भी गया था। नरेंद्र राठौड़ को चोट आने के साथ वे भी झुलसे हैं, जबकि तीसा को चोटे आई हैं।

न्यूज विंडो

कहीं बुजुर्ग से चांदी छीनी तो कहीं रुपयों से भरा का बैग चुरा ले गए

धार। जिले में बीते एक सप्ताह के भीतर लूट की तीन सनसनीखेज वारदातों ने पुलिस गश्त और सुरक्षा दावों की पोल खोल दी है, बेखौफ बदमाश कहीं बुजुर्गों को फालिया दिखाकर डरा रहे हैं, तो कहीं चलते वाहन से नकदी छीनकर फरार हो रहे हैं। अपराधी अब न केवल सुनसान रास्तों, बल्कि मुख्य सड़कों पर भी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। लूट की पहली वारदात बाग क्षेत्र के आगर घाटी मोड़ में 2 मई को हुई, ढीलवानी निवासी 60 वर्षीय बुजुर्ग भंगु पिता जामसिंह अपनी गिरवी रखी चांदी छुड़ाकर लौट रहे थे। ग्राम रिंगनोद से घर लौटते समय दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार अज्ञात बदमाशों ने उन्हें फिल्मी अंदाज में घेरा। बदमाशों ने बुजुर्ग के सामने फालिया अड़ा दिया और जान से मारने की धमकी देकर करीब 50 हजार की चांदी लुटकर फरार हो गए। पुलिस पहली वारदात की गुत्थी सुलझा भी नहीं पाई थी कि 5 मई को कुक्षी-राजगढ़ रोड पर बदमाशों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चामझर निवासी पप्पू अपनी पत्नी सेलबाई के साथ चांदी गिरवी रखकर 2 लाख 70 हजार रुपये नकद लेकर घर लौट रहे थे। वन चौकी के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने चलती गाड़ी से रुपयों से भरी थैली झपटी और रिंगनोद की तरफ भाग निकले। दिनदहाड़े हुई इस बड़ी लूट से इलाके में दहशत है। तीसरी वारदात गंधवानी थाना क्षेत्र के ग्राम बेकल्या के पास हुई। यहाँ मनावर स्थित एक फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी विकास चौधरी और उनके साथी सोहन से बदमाशों ने लूटपाट की। मुंह पर कपड़ा बांधकर आए तीन अज्ञात बदमाशों ने चलती बाइक की टंकी पर रखा बैग झपट लिया। इस झपट्टा-मारी में बाइक का संतुलन बिगड़ने से कर्मचारी गिरकर घायल भी हुए। बदमाशों ने बैग में रखे 50 हजार और जरूरी दस्तावेज और मोबाइल चार्जर पर हाथ साफ कर दिया। इन तीनों वारदातों का पैटने एक जैसा ही है, 2 मई को लूटी गई चांदी और 5 मई को चलती बाइक पर पैसों से भरा बैग छिनकर बदमाश फरार हुए है, सभी वारदातों में बदमाश तेज रफ्तार मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए और पलक झपकते ही गायब हो गए थे, और हैरानी है कि बात है वारदातें सुनसान अंधेरे में नहीं, बल्कि दिनदहाड़े या व्यस्त रास्तों पर की गई है।

महासचिव जितेंद्र सिंह का इस्तीफा कांग्रेस की मूल विचारधारा का जीवंत प्रमाण

सिरोंज। कांग्रेस कमेटी के सचिव विनोद सेन ने बताया कि असम के प्रभारी एवं अभा कांग्रेस के महासचिव जितेंद्र सिंह का अपने पद से इस्तीफा एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक कदम है, जो कांग्रेस की मूल विचारधारा–जवाबदेही, त्याग और नैतिकता का सशक्त संदेश देश की जनता ओर राजनीतिक गलियारों में देता है। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव विनोद सेन ने अपने वक्तव्य में कहा कि चुनाव परिणाम उम्मीदों के अनुरूप खरे न उतरने पर जितेंद्र सिंह जी ने चुनाव में निर्मित हुई परिस्थितियों या अन्य किसी व्यक्ति को दोष देने के बजाय पूरी जिम्मेदारी स्वयं लेते हुए जो साहस और ईमानदारी दिखाई है, वह आज की राजनीति में दुर्लभ है। उनका यह पारदर्शी निर्णय यह दर्शाता है कि कांग्रेस पार्टी में आज भी ऐसे नेता हैं जो पद से अधिक संगठन की गरिमा और मूल्यों और विचारधारा को प्राथमिकता देते हैं। सेन ने कहा कि जितेंद्र सिंह जी का राजनीतिक जीवन संगठन के प्रति समर्पण और कार्यकर्ताओं के साथ गहरे जुड़ाव का जीवंत संदेश देता रहा है। एक साधारण कार्यकर्ता से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक उनका सफर सकारात्मकता के साथ संघर्ष, धैर्य और निरंतर मेहनत का प्रतीक है। असम जैसे जटिल राज्य में उन्होंने संगठन को मजबूत करने, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित करने और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयास किए। लोकतंत्र में हार और जीत दोनों ही स्वाभाविक हैं, लेकिन सच्चा नेतृत्व वही होता है जो कठिन समय में आगे आकर जिम्मेदारी स्वीकार करता है। जितेंद्र सिंह जी का यह निर्णय पूरे संगठन के लिए प्रेरणादायी है जो हर कार्यकर्ता को यह संदेश देता है कि राजनीति केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व भी है। आज जब राजनीति में जवाबदेही से बचने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, ऐसे समय में यह कदम एक सकारात्मक उदाहरण के रूप में सामने आया है।

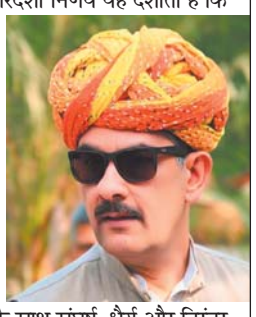

बिजली के खम्भे में उतरे करंट से बैल की मौत, ठेकेदार ने 14 घंटे बाद उठाया शव

सिरोंज। मेंटेनेंस के नाम पर घंटों बिजली कटौती करने वाले बिजली कंपनी की लापरवाही के चलते सोमवार रात में बैल की मौत हो गई। सोमवार शाम से शुरू हुआ रूक-रूक कर बारिष का सिलसिला रात 8.30 बजे तक लगातार चलता रहा। इसी दौरान नगर पालिका के ठीक पीछे स्थित कुम्हान गली में बिजली के खम्भे में करंट उतर गया। इस करंट की चपेट में यहां से निकल रहा एक बैल आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी लगने पर स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि सचिन शर्मा ने बिजली कंपनी के अफसरों को घटना से अवगत कराया और व्यवस्था को सुधरवाया। शर्मा ने बताया कि बिजली कंपनी की लापरवाही से बैल की मौत हो गई है। करंट के नागरिक भी प्रभावित हो सकते थे। पल-पल में अघोषित बिजली कटौती करने वाली बिजली कंपनी को व्यवस्था को लेकन गंभीर होना चाहिए। इधर जानकारी लगने के बाद भी नगर पालिका में मृत पषुओं को उठाकर ले जाने वाला ठेकेदार रात में मृत बैल को उठाने के लिए नहीं पहुंचा। जिससे मोहल्ले के लोगों को बदबू और परेषानी का सामना करना पड़ा। ठेकेदार के कर्मचारी मंगलवार को दोपहर 12 बजे मृत बैल को उठाने के लिए मौके पर पहुंचे।

असमंजस के बीच हुई जिला स्तरीय जनसुनवाई

समस्याओं को लेकर आए 122 आवेदन, कई का निराकरण, कई लोग निराश होकर लौटे

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

असमंजस के बीच शहर के अजीविका मिशन कार्यालय में मंगलवार को जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन हुआ। समय पर सूचना नहीं मिलने के कारण इस जनसुनवाई में सुबह 11.30 बजे के बाद आवेदकों के आने का सिलसिला शुरू हुआ। 4 घंटे तक कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने लोगों की समस्याओं से संबंधित आवेदन लिए और संबंधित विभाग प्रमुख को भी मौके पर बुलाकर चर्चा की। हालांकि इसके बाद घंटों इंतजार के बाद भी अनेक लोगों को निराश होकर ही लौटना पड़ा। इसकी वजह थी मामले के समाधान के निर्देश उसी जिम्मेदार अधिकारी को सौंपना जिसके यहां पर मामला अटका हुआ था। इस दौरान कलेक्टर ने तहसीलदार संजय चौरसिया सहित अनेक अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके लापरवाही भरे रवैये पर फटकार भी लगाई। इन चार घंटों में खास बात ये रही कि कलेक्टर का स्टाफ मीडियाकर्मियों को मोबाइल से वीडियो बनाने से रोकता दिखाई दिया मीडियाकर्मियों ने आपत्ति जताई तो केवल चुनिंदा फुटेज बनाने की अनुमति दी गई। उनका स्टाफ मीडियाकर्मियों और लोगों के मोबाइल पर ही नजरे गड़ाए रहा।

प्रशासन द्वारा इसे जिला स्तरीय जनसुनवाई का नाम दिया था। मौके पर जिले भर के विभागों के मुखिया भी मौजूद थे। बावजूद इसके 122 आवेदकों में 90 फीसदी से ज्यादा लोग सिरोंज के ही थे। दरअसल सोमवार रात 8 बजे तक जिला प्रशासन ही जनसुनवाई को लेकर असमंजस में था। जब पूरी तरह तय हो गया तो सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से सूचना प्रसारित की गई। जिसके चलते सिरोंज और आसपास के लोग ही जनसुनवाई में पहुंच सके। दूरस्थ इलाकों के लोग जानकारी के अभाव में इसका लाभ नहीं ले सके।

ग्रामीणों के साथ पहुंचे भाजपा मंडल अध्यक्ष को भी डेढ़ घंटे इंतजार करना पड़ा

जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर के स्टाफ और प्रशासन की सख्ती कुछ ज्यादा ही दिखाई दी। जनता के आवेदनों का क्रमवार निराकरण किया जा रहा था। दोपहर में करीब 1 बजे भाजपा पथरिया मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह रघुवंशी और जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि भगतसिंह रघुवंशी भी घटवार गांव में आरईएस के ठेकेदार द्वारा सड़क निर्माण कार्य में की जा रही मनमानी और काली मिट्टी के उपयोग की शिकायत लेकर ग्रामीणों के साथ पहुंचे थे। मौजूद कर्मचारियों ने उन्हें भी अपने नंबर का इंतजार करने को कहा। वे कलेक्टर के सामने लगी आवेदकों की कुर्सी पर डेढ़ घंटे तक बैठकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे। चार घंटे तक चली जनसुनवाई के दौरान शुरूआती एक घंटे तक ही अधिकारी और कर्मचारी सतर्क और मुस्तैद दिखाई दिए। इसके बाद अधिकांश अपने मोबाइल पर ही व्यस्त रहे।

दिनभर इंतजार के बाद बिना समाधान के ही वापस लौटे

जनसुनवाई में अनेक आवेदकों को दिनभर इंतजार के बाद भी निराश होकर ही लौटना पड़ा। तरवरिया में रहने वाली चुक्कोबाई फौती नामांतरण का आदेश नहीं मिलने की समस्या लेकर आई थीं। कलेक्टर ने उनकी समस्या सुनी और पटवारी को मौके पर बुलाने के निर्देश दिए। इसके बाद वे शाम 4 बजे तक जनसुनवाई स्थल पर ही डटी रही लेकिन समाधान नहीं हो सका। वे निराशा के साथ इस उम्मीद से वापस लौटी कि कलेक्टर फाइल अपने साथ लेकर गए हैं। किसान मोहन रघुवंषी केसीसी पर रोक हटवाने के लिए आए थे। कलेक्टर ने मौजूद बैंक प्रबंधन को बुलाकर समस्या समाधान के निर्देश दिए। मोहन कलेक्टर की वापसी तक जनसुनवाई में मौजूद रहे लेकिन बिना समाधान के ही वापस लौट गए। सामाजिक कार्यकर्ता अशोक जैन कागजों में चल रहे पामाखेड़ी के एक स्कूल को ढूंढने की गुजारिश लेकर पहुंचे थे। कलेक्टर ने बीईओ को आवेदन सौंपकर जांच के निर्देश दे दिए लेकिन त्वरित समाधान नहीं होने से निराश होकर लौटे। जगथर गांव में रहने वाली युवती महीने भर पहले अपने मकान में आग लगने से हुए नुकसान का मुआवजा मिलने संबंधी जानकारी लेने पहुंची थी लेकिन उसे भी निराश होकर वापस लौटना पड़ा।

आंधी के साथ झमाझम कई इलाकों में गिरे ओले

रीवा। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में मौसम का अलग ही मिजाज देखने को मिल रहा है। यहां भीषण गर्मी के दिनों में आंधी - बारिश के साथ ओलावृष्टि का दौर जारी है। बीती रात सूबे के रीवा जिले में अचानक मौसम का मिजाज बदल गया और तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरु हो गई। गरज-चमक के साथ आधे घंटे हुई मुसलाधार बारिश ने जहां एक तरफ पूरे शहर के तरबतर कर दिया तो वहीं निचले इलाकों में पानी भर गया। वहीं, चोरहटा इलाके में ओलावृष्टि भी हुई है। शहर के तरहटी, निपनिया, संजय नगर, नेहरु नगर, विवेकानंद नगर सहित अन्य कुछ निचले इलाकों में पानी भर गया। कॉलोनी-मोहल्लों में नालियों का पानी उफन कर सड़कों पर बहने लगा। मॉडल सड़क में उर्रहट के पास, सिरमौर चौराहा समेत कुछ इलाकों में सड़कें कुछ देर के लिए जैसे तलैया में तब्दील हो गईं। सीवर लाइन के चलते खुदी सड़कों पर पानी भर गया। इस कारण वाहन चालकों को खासा परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज आंधी की वजह से कहीं-कहीं टीन-टप्पर उड़ गए।

जनगणना ड्यूटी में चले लात-घूंसे, महिला कर्मी से मारपीट

गुना। दोपहर मेट्रो

शहर के वार्ड क्रमांक 11 में जनगणना सर्वे के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और एक परिवार के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। फुटेज के अनुसार, सर्वे के दौरान विवाद इतना उग्र हुआ कि घर की एक महिला अपनी गोद में छोटा बच्चा लिए महिला कर्मचारी से सीधे भिड़ गई। हाथापाई और धक्का मुक्की इतनी तेज थी कि दोनों महिलाएं अनियंत्रित होकर घर के गेट से बाहर सीधे सड़क पर जा गिरीं।

इस दौरान गोद में मौजूद बच्चा सड़क पर गिरने से बाल-बाल बचा। गनीमत रही कि बच्चे को गंभीर चोट नहीं आई। सड़क पर गिरने के बाद भी मामला शांत नहीं हुआ। फुटेज में दिख रहा है कि जैसे ही महिला कर्मचारी नीचे गिरी, घर की अन्य महिलाओं और लड़कियों ने उसे घेर लिया और जमकर लात-घूंसे बरसाए। आवेदिका रीना चिढ़ार ने सिटी कोतवाली में शिकायती आवेदन देकर गंभीर आरोप लगाए हैं। रीना के अनुसार, वह ब्लॉक नंबर 73 में सर्वे कर रही थीं, तभी कमलेश चिढ़ार ने गाली-गलौज कर उनका रजिस्टर छीन लिया। आरोप है कि जब वह रजिस्टर लेने अंदर गई, तो आरोपियों ने उनका पल्लू खींचकर नीचे पटक दिया और पेट में लात मारी। इस दौरान सरकारी रजिस्टर भी फाड़ दिया गया। रीना का दावा है कि मोहल्ले वालों ने हस्तक्षेप कर उनकी जान बचाई। फिलहाल पुलिस को केवल महिला कर्मचारी का पक्ष प्राप्त हुआ है। सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच की जा रही है, क्योंकि वीडियो में दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हावी होते दिख रहे है। पुलिस अब दूसरे पक्ष का बयान दर्ज करने और वायरल वीडियो के आधार पर यह तय करने की कोशिश कर रही है कि इस हिंसक झड़प की असल शुरुआत किसने की थी।

मेट्रो एंकर | अनजान चेहरों ने निभाया पिता का फर्ज, कैंसर पीड़ित पिता की बेटी की धूमधाम से शादी

आंसूओं से भीगी विदाई बनी इंसानियत की मिसाल

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नगर के लिए सिर्फ एक विवाह समारोह नहीं, बल्कि मानवता, संवेदनशीलता और सेवा की अद्भुत मिसाल बनकर सामने आया। यहां अनजान चेहरों ने एक लाचार पिता का फर्ज निभाते हुए उसकी इकलौती बेटी का विवाह पूरे सम्मान और रीति-रिवाजों के साथ संपन्न कराया। विदाई के समय हर आंख नम थी, लेकिन इन आंसुओं में दर्द नहीं, बल्कि संतोष और अपनत्व की चमक थी। रायसेन जिले के ग्राम हकीमखेड़ी निवासी चरणदास वैष्णव, जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं, अपनी बेटी रजनी के विवाह को लेकर गहरी चिंता में थे। आर्थिक तंगी और इलाज में खत्म हो चुकी जमा पूंजी ने उन्हें पूरी तरह तोड़ दिया था। ऐसे कठिन समय में गंजबासौदा की पिथौली धाम श्री बालाजी सेवा समिति उनके लिए सहारा बनकर सामने आई।

समिति को जब शिक्षक महेश शर्मा के माध्यम से इस परिवार की स्थिति की जानकारी मिली, तो उन्होंने बिना किसी रिश्ते के भी इस जिम्मेदारी को अपना कर्तव्य मान लिया। समिति ने न केवल विवाह की संपूर्ण व्यवस्था संभाली, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि कन्यादान पिता ही करें।

नगर के विश्वकर्मा मंदिर धर्मशाला में आयोजित इस विवाह समारोह में बारातियों के स्वागत से लेकर भोजन, सजावट और सभी व्यवस्थाएं इस तरह की गईं, जैसे यह किसी संस्था का नहीं, बल्कि अपने ही परिवार का आयोजन हो। समिति द्वारा बेटी को गृहस्थी का पूरा सामान, सोने-चांदी के आभूषण, सुहाग सामग्री के साथ रामायण और भगवान गणेश की प्रतिमा भी भेंट की गई। भीषण गर्मी के बावजूद कार्यकर्ताओं का उत्साह कम नहीं हुआ। सेवा के इस संकल्प के साथ समिति ने वर्ष 2003 से अब तक 25 निर्धन कन्याओं के विवाह ससम्मान संपन्न कराए हैं। संस्थापक गणपत सिंह राजपूत (मास्टर साहब) और अध्यक्ष अतुल नेमा सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया।

विदाई के समय जब पिता ने कांपते हाथों से कन्यादान किया, तो वह पल हर किसी के लिए भावुक कर देने वाला था। यह आयोजन सिर्फ एक बेटी की शादी नहीं, बल्कि उस विश्वास का प्रतीक बन गया कि जब समाज साथ खड़ा हो, तो कोई भी पिता अपनी जिम्मेदारी निभाने से वंचित नहीं रहता।

झापन घाट पुल पर संकट बरकरार, फाइनेंशियल ओपनिंग बाकी, काम शुरू नहीं

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर से लगभग 22 किलोमीटर दूर सागर मार्ग पर स्थित झापन घाट पुल क्षेत्र में पिछले कई महीनों से आवागमन की गंभीर समस्या बनी हुई है। 30 जुलाई 2025 को हुई अतिवृष्टि के दौरान ब्यारमा नदी पर बने इस पुल का स्लैब बह जाने से स्टेट हाईवे 21 पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया था। घटना के कई माह बीत जाने के बाद भी आज दिनांक तक पुल के स्थायी निर्माण को लेकर जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्य शुरू नहीं हो सका है, जिससे क्षेत्रीय जनता में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

यह मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी मार्ग से झलौन, सर्रा, भैंसा, सारसबागली, तारादेही, ससनाकला, सेहरी, मगदुपुरा, पुरा, बैरागढ़, हिनोती सहित सैकड़ों गांवों का सीधा संपर्क जुड़ा हुआ है। साथ ही यह झलौन-सागर मार्ग होते हुए रहली और जबलपुर जाने वाले यात्रियों के लिए भी प्रमुख एवं सुगम मार्ग है, जिससे न केवल दूरी बल्कि समय की भी बचत होती है।

पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद स्थानीय बस संचालकों एवं ग्रामीणों द्वारा जेसीबी और ट्रैक्टर की सहायता से अस्थायी मार्ग तैयार किया गया है, जिससे किसी तरह आवागमन जारी है। हालांकि यह मार्ग पूरी तरह अस्थायी है और आगामी बारिश में इसके बह जाने की प्रबल आशंका जताई जा रही है, जिससे स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है। मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा इस स्थान पर लगभग 4.30 करोड़ रुपये की लागत से डायवर्सन मार्ग एवं छोटे पुल निर्माण हेतु टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। विभागीय जानकारी के अनुसार तकनीकी प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है तथा अब वित्तीय ओपनिंग की प्रक्रिया शेष है। इसके बाद ही एजेंसी का चयन किया जाएगा और कार्य प्रारंभ हो सकेगा। स्थानीय नागरिकों मुकेश जैन, रमेश आदिवासी, गोरेलाल राजेंद्र सिंह, वीरेंद्र साहू ,द्वारका यादव का कहना है कि बार-बार टेंडर और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के चलते जमीनी काम में अनावश्यक देरी हो रही है, जबकि क्षेत्रीय जनता लंबे समय से आवागमन की गंभीर समस्या से जूझ रही है। लोगों ने मांग की है कि जल्द से जल्द स्थायी पुल निर्माण की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न न हो। इस संबंध में एमपीआरडीसी सागर के मुकुल चौरसिया ने बताया कि फाइनेंशियल ओपनिंग की प्रक्रिया जारी है और अभी एजेंसी का चयन नहीं हुआ है। जैसे ही एजेंसी का चयन पूरा होगा, कार्य स्थल पर निर्माण कार्य प्रारंभ करा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरी टेंडर प्रक्रिया मुख्यालय स्तर पर संचालित हो रही है और इसके पूर्ण होने के बाद ही निर्माण कार्य शुरू किया जा सकेगा।

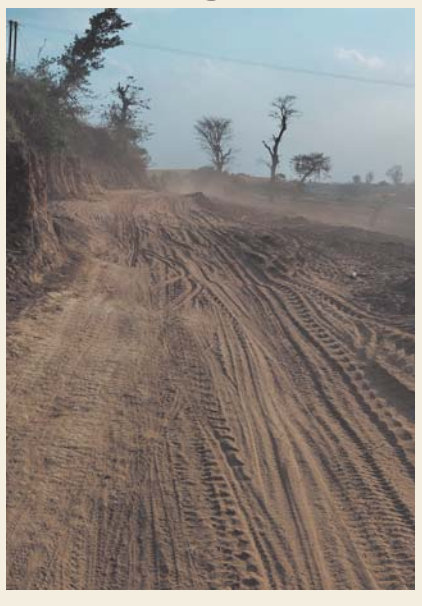

न्यूज विंडो

अवैध हस्तक्षेप एवं वित्तीय अनियमितताओं का मामला उजागर

तेंदूखेड़ा। जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत झलोन में प्रशासनिक अनियमितताओं और शासकीय राशि के दुरुपयोग का गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम निवासी रेखा रैकवार द्वारा डाक विभाग के पोस्ट ऑफिस अधिकारी, तेंदूखेड़ा को दिए गए शिकायत पत्र में कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जिनमें पंचायत कार्यों में अवैध हस्तक्षेप, फर्जी हस्ताक्षर के माध्यम से राशि आहरण तथा डाक सेवाओं में लापरवाही शामिल हैं। शिकायत के अनुसार ग्राम पंचायत झालोन की निर्वाचित सरपंच श्रीमती अनिता जैन हैं, किंतु पंचायत के वास्तविक कार्य उनके पति चकेश जैन द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। आरोप है कि जैन स्वयं को ÷सरपंच प्रतिनिधि÷ बताकर पंचायत के कार्यों में हस्तक्षेप करते हैं, जबकि मध्यप्रदेश पंचायत राज अधिनियम के तहत इस प्रकार की कोई वैधानिक व्यवस्था नहीं है। रेखा रैकवार ने अपने आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि चक्रेश जैन द्वारा कई मामलों में सरपंच के फर्जी हस्ताक्षर किए गए हैं, जिनके माध्यम से शासकीय योजनाओं की लाखों रुपये की राशि का आहरण किया गया।

जिला संगठन के निर्देश पर तेजगढ़ मंडल में हुआ बैठक का आयोजन

तेंदूखेड़ा। तेजगढ़ मंडल रेस्ट हाउस में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर गुलाल एवं फूल माला से आरती बंधन किया भारतीय जनता पार्टी कामकाजी बैठक बैठक का आयोजन हुआ जिसमें प्रभारी तेजगढ़ मंडल के रूप में संजय यादव जिसमें मासिक बैठक एवं भूत स्तर पर बैठक के संबंध में विस्तृत कार्यकर्ताओं से चर्चा की जिसमें प्रमुख रूप से जिला प्रभारी संजय यादव जिला मंत्री भारत सिंह लोधी राज्य मंत्री के अनुज सत्येंद्र सिंह लोधी मंडल अध्यक्ष संग्राम सिंह ने पार्टी के संबंध में अपनी अपनी जानकारियां दी और सेक्टर स्थल एवं बूथ स्तर पर बैठक की जाएगी। इसके बाद पश्चिम बंगाल सहित तीन राज्यों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर तेजगढ़ बस स्टैंड पर पटाखे फोड़ एवं मिठाई बांटी और कार्यकर्ताओं में खुशी की जाहिर की एवं पश्चिम बंगाल की जनता को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया कार्यक्रम में डॉक्टर केआर सोनी जुगराज सिंह सनद ई सरपंच बेड़ी सिंह भोजराज हरि सिंह यादव लखन यादव सैकड़ों की संख्या में चेस्ट श्रेष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कागजों में NH-78, ज़मीन पर नहीं; कोतमा बायपास का भी नहीं हुआ अपडेट

अनूपपुर। राजस्व विभाग की गाइडलाइंस को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में पुराने नेशनल हाईवे का उल्लेख अब भी जारी है, जबकि ज़मीनी हकीकत बदल चुकी है। जानकारी के अनुसार गाइडलाइंस के पेज नंबर 16, खंड 110-111 में नेशनल हाईवे 78 (NH-78) दर्शाया गया है, जबकि अनूपपुर जिले में वर्तमान समय में यह हाईवे अस्तित्व में ही नहीं है। इसके बावजूद राजस्व निर्धारण और अन्य प्रक्रियाओं में इसका हवाला दिया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता और सटीकता पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, कोतमा क्षेत्र में नेशनल हाईवे 43 का बायपास निर्माण हो चुका है, लेकिन राजस्व विभाग की गाइडलाइंस में इसका कोई अपडेट नहीं किया गया है। स्थानीय लोगों और जानकारों का कहना है कि नए बायपास के कारण क्षेत्र की भौगोलिक और आर्थिक स्थिति में बदलाव आया है, जिसका असर भूमि मूल्य और राजस्व निर्धारण पर भी पड़ना चाहिए था।

औद्योगिक नगरी पीथमपुर की घटना, पड़ताल जारी

बोरिंग मशीन के साथ सपोर्टिंग गाड़ी के नीचे सो रहे 3 मजदूरों को कुचला, मौत

धार। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक नगरी पीथमपुर में गत दिवस एक हृदय विदारक हादसा सामने आया है। यहाँ एक बोरिंग मशीन (वाहन) के साथ सपोटिंग गाडी की चपेट में आने से तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तीनों मजदूर वाहन के नीचे सो रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। छत्तीसगढ़ निवासी तीन मजदूर रात के समय बोरिंग मशीन के नीचे ही सो रहे थे। इसी दौरान चालक ने बिना देखे वाहन को रिवर्स (पीछे) कर दिया। भारी-भरकम मशीन के पहियों के नीचे आने से तीनों मजदूर बुरी तरह कुचल गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना करने के बाद तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गवला निवासी सुभाष चौहान और रुदन सिंह सोलंकी के खेत पर बोरिंग का काम चल रहा था। काम के दौरान मजदूर काफी थक चुके थे, इसलिए वे बोरिंग मशीन के साथ चलने वाली सपोर्टिंग एयर गाड़ी नंबर केए-51 एमसी-5799) के नीचे छांव और आराम के लिए लेट गए। हादसा उस समय हुआ जब सपोर्टिंग गाड़ी के ड्राइवर ने बिना नीचे देखे लापरवाही पूर्वक वाहन को रिवर्स (पीछे) कर दिया। ड्राइवर को इस बात का आभास तक नहीं हुआ कि वाहन के नीचे मजदूर सो रहे हैं। ट्रक का पिछला भारी टायर सीधे मजदूरों के ऊपर चढ़ गया, जिससे तीनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले तीनों मजदूर छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे, जो मशीन के साथ पीथमपुर मजदूरी करने आए थे। हादसे में रामचरण (56), भानुप्रताप (19) और अरविंद (22) की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों मृतक छत्तीसगढ़ के अलग-अलग गांवों के रहने वाले थे।

सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहन को जब्त कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वाहन चालक की लापरवाही के कारण यह भीषण दुर्घटना हुई है। फिलहाल तीनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर छत्तीसगढ़ स्थित उनके गृह ग्राम में परिजनों को सूचना दे दी गई है। मामले की विस्तृत जांच जारी है। फरियादी रमेश इक्का की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया है।

जनसुनवाई में आएं 11 आवेदन

पेयजल की समस्या को लेकर तहसीलदार ने की जल सप्लाई कर्मचारियों से बात

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तहसील कार्यालय में एसडीएम सीजी गोस्वामी की उपस्थिती में आयोजित ब्लांक स्तरीय जनसुनवाई में 11 आवेदन पत्र प्राप्त हुए जिसमें 6 आवेदन राजस्व विभाग से संबंधित थे तीन आवेदनों को मौके पर ही निराकरण किया गया। इसके अलावा अन्य आवेदनों को संबंधित विभाग के लिए कार्यवाही करने के लिए दिए गए। वार्ड क्रमांक 6 की विधवा महिला सलमा ने आवेदन देकर बताया कि 3 वर्ष पहले मेरे पति का देहांत हो गया था तीन छोटे बच्चे हैं जिनकी जिम्मेदारी मुझ पर हैं मेहनत मजदूरी करके अपना घर चलाती हूं मेरी राशन पर्ची बनाई जाएं जिस पर तहसीलदार विवेक व्यास ने नगर परिषद को निर्देशित करते हुए महिला की राशन पर्ची बनाने के लिए कहा गया। साथ ही नगर में पेयजल की समस्या को लेकर आई शिकायत पर तहसीलदार द्वारा नगर परिषद एवं नर्मदा जल के कर्मचारियों को बुलाकर बात की साथ ही आने वाले दो महीनों तक किसी भी प्रकार की समस्या न हो इसके लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। एसडीएम सीजी गोस्वामी ने कहा कि कलेक्टर के निर्देश पर ब्लांक स्तरीय जनसुनवाई प्रत्येक मंगलवार आयोजित की जा रही हैं जो भी विभाग अनुपस्थित रहे हैं कलेक्टर को प्रतिवेदन बनाकर भेज दिया गया हैं उन पर कार्यवाही की जाएंगी।

एसपी सचिन शर्मा ने संभाली धार की कमान

सड़क हादसों को रोकने के लिए सुधरेंगी खामियां कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करना पहली प्राथमिकता

धार। दोपहर मेट्रो

भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी सचिन शर्मा ने मंगलवार को धार जिले के नए पुलिस अधीक्षक के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार संभालने से पूर्व श्री शर्मा पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर पहुंचे। यहाँ उन्होंने विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया और जिले की सुख-समृद्धि व शांति की कामना की। मंदिर में पूजा के पश्चात उन्होंने कार्यालय पहुंचकर औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। इस दौरान विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया, जिनसे उन्होंने जिले के वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य और कानून-

व्यवस्था पर प्रारंभिक चर्चा की। एसपी सचिन शर्मा ने कार्यभार संभालने के पहले ही दिन जनसुनवाई की, उन्होंने दूर-दराज से आए आम नागरिकों की समस्याओं को न केवल गंभीरता से सुना और उनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित भी किया।

पत्रकारों से रूबरू होते हुए नए एसपी ने अपनी कार्ययोजना साझा की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिले में कानून और व्यवस्था को सुदृढ़ करना पहली प्राथमिकता होगी। अपराधियों पर नकेल कसने के लिए एक विशेष कार्ययोजना पर काम किया जाएगा।आम जनता के बीच पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाना और संवाद कायम करना मुख्य लक्ष्य रहेगा। बीते दिनों जिले में हुए सड़क हादसों जिनमें मजदूरों की जान गई थी, उस पर एसपी शर्मा ने कहा कि इन हादसों से सबक लेते हुए सड़क सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जहाँ भी तकनीकी खामियां या असुरक्षित मोड़ हैं, वहां संबंधित विभागों के समन्वय से सुधार कराया जाएगा ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

सागौन प्रकरण में न वसूली और न ही कोई सख्त कार्रवाई

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

उपवन मंडल अंतर्गत झलौन वन परिक्षेत्र में सागौन जब्ती प्रकरण को लेकर सामने आई गंभीर अनियमितताओं के बावजूद चार माह से अधिक समय बीत जाने पर भी ठोस कार्रवाई न होना विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहा है। दिसंबर 2025 में जब्त की गई सागौन सिल्लियों में हेरफेर की पुष्टि विभागीय जांच में स्पष्ट रूप से हो चुकी है। इसके बाद संबंधित वनकर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी से भी जवाब तलब किया गया था। वनपाल एवं वनरक्षक के विरुद्ध रिकवरी भी निर्धारित की गई, किंतु अब तक न तो वसूली हो सकी है और न ही कोई प्रभावी अनुशासनात्मक कार्रवाई सामने आई है। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि लकड़ी की अदला-बदली विभागीय कर्मचारियों की मिलीभगत से की गई थी। इसके बावजूद कार्रवाई की प्रक्रिया अत्यंत धीमी बनी हुई है। हाल ही में संबंधित कर्मचारियों को स्मरण पत्र (रिमाइंडर) भी जारी किए गए हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि विभाग स्वयं निर्धारित समयसीमा में संतोषजनक जवाब प्राप्त करने में असफल रहा है। प्रकरण में वनरक्षक महबूब खान, डिप्टी रेंजर शंकर सिंह एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी सतीश मासीह से जवाब मांगा गया था। इनमें से केवल वन परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा ही जवाब प्रस्तुत किया गया, जबकि अन्य दो कर्मचारियों ने अब तक कोई उत्तर नहीं दिया है। इसके बावजूद विभाग द्वारा कठोर कदम नहीं उठाए जाने से सवाल उठ रहे हैं कि आखिर दोषियों के प्रति नरमी क्यों बरती जा रही है। रिकवरी आदेश जारी होने के बाद भी संबंधित कर्मचारियों से राशि की वसूली न होना विभाग की कार्यकुशलता और जवाबदेही पर संदेह उत्पन्न करता है। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी तेज है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो ऐसे मामलों में लिप्त कर्मचारियों के हौसले और बुलंद हो सकते हैं।

मेट्रो एंकर वेयरहाउस अनियमितताओं का मामला गरमाया, प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग

कान्हा वेयर हाउस पर फिर उठे सवाल, भंडारण रोकने और जांच की मांग

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन की शाखा तेन्दूखेड़ा अंतर्गत संचालित कान्हा वेयर हाउस रोसरा महगुँवा को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। इस संबंध में आवेदक प्रशांत चौबे द्वारा शाखा प्रबंधक को एक लिखित शिकायती आवेदन प्रस्तुत कर विस्तृत जांच की मांग की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कान्हा वेयर हाउस के संचालन में पूर्व में भी कई प्रकार की अनियमितताएं पाई जा चुकी हैं। आवेदक का आरोप है कि संबंधित वेयर हाउस संचालक का रिकॉर्ड शासन के प्रति संतोषजनक नहीं रहा है और पिछले कुछ वर्षों से लगातार धोखाधड़ी एवं अनियमितताओं की शिकायतें सामने आती रही हैं। इसके बावजूद भी संबंधित संचालक को बार-बार भंडारण कार्य की अनुमति दिए जाने पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। शिकायत पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि जिला जबलपुर अंतर्गत भेड़ाघाट शाखा में संचालित राघव वेयर हाउस तथा बिजौरी क्षेत्र में स्थित श्रीराम वेयर

हाउस, दीक्षित वेयर हाउस एवं गणेश वेयर हाउस में भी पूर्व में गंभीर अनियमितताएं सामने आई थीं। इन मामलों में विधिवत प्रकरण भी दर्ज किए गए थे। इसके बावजूद संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई न होने से शासन को लगातार आर्थिक क्षति होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। आवेदक श्री चौबे ने प्रशासन से मांग की है कि कान्हा वेयर हाउस सहित संचालक से जुड़े सभी गोदामों की निष्पक्ष एवं गहन जांच कराई जाए। साथ ही, रोसरा महगुवां स्थित कान्हा वेयर हाउस में प्रस्तावित या चल रहे भंडारण कार्य को तत्काल प्रभाव से रोका जाए, ताकि संभावित अनियमितताओं को रोका जा सके और शासन के हितों की रक्षा सुनिश्चित हो सके। ब्लाक प्रबंधक मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स कॉरपोरेशन कमलेश रैकवार ने बताया कि मुझे शिकायती पत्र 27 अप्रैल को प्राप्त हुआ था इसके बाद 28 अप्रैल को मरे द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय सागर को इस संबंध में पत्र भेजा है जहां से एक कमेटी गठित हुई है।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना हनुमानगंज नगरीय पुलिस जिला भोपाल

क्रमांक / था.प्र./डी-240/2026 दिनांक :- 01/05/2026
गुम.क्र.-14/2026 जिला-भोपाल

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 25/04/2026 को थाना हनुमानगंज जिला भोपाल में सूचक निर्भय ठाकुर पिता गोविन्द गोंड उम्र 45 साल निवासी ग्राम मरामाधो तहसील केसली जिला सागर (म.प्र.) मो.न.9340812035 की सूचना पर गुम इंसान कायम कर जाँच में लिया गया गुमशुदा गोविन्द गौंड पिता स्व. पंचम उम्र 78 साल निवासी ग्राम मरामाधो तहसील केसली जिला सागर (म.प्र.) जो कि दिनांक 22/04/2026 को रात्रि 10.54 बजे करीबन हयात अस्पताल न्यू कबाड़खाना रोड़ थाना हनुमानगंज क्षेत्र से बिना बताये कहीं चला गया है। जिसका हुलिया रंग सावंला, सफेद बाल, उचाई 5 फिट 7 इंच, नीली शर्ट सफेद धारी और नीला पायजामा सफेद धारी पहने हुए है, दाहीना हाथ टेडा है। के संबंध में कोई भी जानकारी मिलती है तो थाना हनुमान गंज भोपाल के दूरभाष क्रमांक 7587601742, 7049104316 पर सूचना देने की कृपा करे।

थाना प्रभारी
थाना हनुमानगंज
जिला भोपाल (म.प्र.)

G-12459/26 "सायबर क्राइम सुरक्षा हेल्पलाइन नं. - 1930"

आईपीएल का गणित-लगातार दो जीत से चेन्नई की उम्मीदें कायम

दिल्ली के पास भी चांस, सनराइजर्स के पास भी है नंबर-1 बनने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल में मंगलवार को मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराया। टीम ने सीजन में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इस जीत से सुपर किंग्स ने प्लेऑफ की उम्मीदें कायम रखी हैं। दिल्ली के पास भी प्लेऑफ में पहुंचने का मौका है। बशर्ते टीम को बाकी के सभी मैच जीतने होंगे। मैच के बाद पॉइंट्स टेबल में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जीत के बाद चेन्नई की टीम छठे स्थान पर है, जबकि दिल्ली 7वें स्थान पर है। दोनों के पास प्लेऑफ में जगह बनाने का मौका है। ऋतुराज गायकवाड की टीम 10 मैच में 10 अंक के साथ छठे स्थान पर है। उसने अब तक 5 मैच ही गंवाए हैं। अक्षर पटेल की टीम 8 अंक के साथ 7वें स्थान पर है। टीम ने 4 मैच जीते हैं, साथ ही 6 मैच ही गंवाए हैं।

हैदराबाद के पास टेबल टॉपर बनने का मौका पैट कमिंस की टीम पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर है। उसके पास 10 मैचों में 6 जीत के साथ 12 अंक हैं। आज सनराइजर्स के पास पॉइंट्स टेबल के टॉप पर पहुंचने का मौका है। टीम को पिछले मैच में कोलकाता के खिलाफ पराजय झेलनी पड़ी थी। अब उसे 2 होम और 2 अवे मैच खेलने हैं। यहां से टीम हर जीत के साथ प्लेऑफ के करीब पहुंचती जाएगी।

पंजाब टेबल के टॉप पर, प्लेऑफ के लिए 2 जीत जरूरी श्रेयस अय्यर की टीम पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। टीम के पास 9 मैचों में 6 जीत के बाद 13 अंक हैं। एक मैच नो-रिजल्ट रहा था। ऐसे में एक और जीत पंजाब को प्लेऑफ की देहलीज में पहुंचा देगी। आम तौर पर 16 अंक के बाद टीमों टॉप-4 में फिनिश करती हैं। पंजाब को भी 3 मैच घरेलू मैदान पर खेलने हैं।

राहुल टॉप स्कोरर बने, ऑरेंज कैप मिली

मैच के बाद दिल्ली के केएल राहुल सीजन के टॉप स्कोरर बन गए हैं। वे 10 मैचों में 445 रन बना चुके हैं। उन्होंने हैदराबाद के अभिषेक शर्मा (440 रन) को पीछे छोड़ा। हैदराबाद के ही हेनरिक क्लासन 425 के साथ तीसरे स्थान पर हैं। आज केएल राहुल टॉप पर आ सकते हैं।

पर्पल कैप लीडरबोर्ड में बदलाव नहीं

मैच के बाद टॉप विकेट टेकर्स की लिस्ट में बदलाव नहीं हुआ है। बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार और चेन्नई के अंशुल कम्बोज एक समान 17-17 विकेट के साथ पहले और दूसरे स्थान पर हैं। गुजरात के कगिसो रबाडा 16 विकेट लेकर नंबर-3 पर हैं।

आईपीएल में आज आमने-सामने होंगे पंजाब-हैदराबाद

आईपीएल 2026 के 49वें मुकाबले में 6 मई को पंजाब किंग्स का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। मैच हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। लगातार 6 मैच जीतकर अजेय नजर आ रही पंजाब टीम पिछले दो मुकाबलों में हारकर दबाव में है। वहीं, पैट कमिंस की कप्तानी वाली हैदराबाद टीम अपने घर में पंजाब की कमजोरियों का फायदा उठाकर पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंचना चाहेगी।

दोनों टीमों ने आईपीएल में 25 बार एक-दूसरे का सामना किया है। सनराइजर्स हैदराबाद का पलड़ा भारी रहा है। स्ना ने 17 मैच जीते हैं, जबकि पंजाब ने 8 जीते हैं। इस सीजन यह दोनों के बीच दूसरा मुकाबला है। पहले मैच में पंजाब ने अपने होम ग्राउंड पर हैदराबाद को 6 विकेट से हराया था। पिछले सीजन में दोनों के बीच एक मुकाबला हुआ था, जिसे हैदराबाद ने जीता था।

सनराइजर्स हैदराबाद को पिछले मुकाबले में कोलकाता के खिलाफ हार झेलनी पड़ी, जिससे उनकी 5 मैचों की जीत का सिलसिला टूट गया। हालांकि, ट्रेविस हेड की शानदार फॉर्म टीम के लिए बड़ी राहत है। उन्होंने लगातार दो मैचों में अर्धशतक जड़े हैं। अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासन भी लगातार रन बना रहे हैं। अभिषेक शर्मा इस सीजन में हैदराबाद के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, जिन्होंने 206.57 की स्ट्राइक रेट से 440 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में टीम संतुलित नजर आ रही है। ईशान मलिंगा डेथ ओवर्स में सटीक यॉर्कर डालकर बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं।

चीन के वू यिजे बने वर्ल्ड स्नूकर चैंपियन हेंड्री के बाद दूसरे सबसे कम उम्र के विजेता

शेफील्ड, एजेंसी

वू यिजे ने शॉन मर्फी को अब तक के सबसे बड़े फाइनल मुकाबलों में से एक में 18-17 से हराते हुए पहली बार वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप का खिताब जीता। 22 साल और 202 दिन की उम्र में, वह स्टीफन हेंड्री के बाद दूसरे सबसे कम उम्र के वर्ल्ड चैंपियन हैं। हेंड्री ने 1990 में 21 साल की उम्र में खिताब जीता था। वह क्रूसिबल में यह मशहूर सिल्वरवेयर जीतने वाले 25वें खिलाड़ी बन गए हैं, और पहली बार लगातार चार मेडन विनर रहे हैं। वू 2023 में लुका ब्रेसेल (उम्र 28), 2024 में कायरेन विल्सन (उम्र 32) और 2025 में झाओ (उम्र 28) के बाद पहले नंबर पर हैं। यह वू का दूसरा खिताब है। वह वर्ल्ड रैंकिंग में दसवें से चौथे नंबर पर आ गए हैं। इस साल से पहले उन्होंने क्रूसिबल में कभी कोई मैच नहीं जीता था।2023 और 2025 में अपने पिछले मैचों में वे पहले राउंड में ही हार गए थे. लेई पेइफान, मार्क सेल्बी और होसैन वफाई पर जीत ने उन्हें सेमी-फाइनल में पहुंचाया, जहां उन्होंने मर्फी के खिलाफ एक और क्लासिक जीत से पहले मार्क एलन के साथ 17-16 से रोमांचक मुकाबला जीता।

दोनों खिलाड़ियों ने अपनाई अक्रामक रणनीति

फाइनल एक शानदार मुकाबला था, जिसमें तीन सेंचुरी, 50 से ज्यादा 29 और ब्रेक और औसत फ्रेम टाइम सिर्फ 17 मिनट था, क्योंकि दोनों खिलाड़ियों ने आक्रामक रणनीति अपनाई थी। वू की हिम्मत वाली पॉटिंग सबसे ज्यादा निर्णायक फ्रेम में साफ दिखी—2002 के बाद क्रूसिबल फाइनल में पहली बार—जब उन्हें सेंटर में एक मुश्किल रेड मिली, तो उन्होंने उसे पॉकेट के बीच में गिरा दिया, और 85 का शानदार ब्रेक लगाकर ट्रॉफी और 500,000 पाउंड का की पुरस्कार राशि जीती। जीत के बाद वर्ल्ड स्नूकर के हवाले से वू के कहा, फमैं बहुत खुश हूं कि मैं ऐसा खेल सका। मैंने अपने परिवार के लिए, अपने लिए और चीन के लिए खेला। मेरे माता-पिता असली चैंपियन हैं। जब से मैंने स्कूल छोड़ने का फैसला किया है,

पिता बनने के बाद बदला राहुल का नजरिया नई सोच -आक्रामक अंदाज से मचा रहे धमाल

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल के लिए विकेटकीपर और सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभा रहे केएल राहुल इस सीजन शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। 9 मैचों में 433 रन, एक शतक और तीन अर्धशतक के साथ राहुल ने अपने आक्रामक खेल से सभी को प्रभावित किया है। जियोस्टार के 'सुपरस्टार्स' शो में बातचीत के दौरान राहुल ने बताया कि टी20 क्रिकेट अब पूरी तरह बदल चुका है। उनके मुताबिक, अब मैच का फैसला पावरप्ले में ही काफी हद तक तय हो जाता है, इसलिए टीमों का फोकस शुरुआती ओवरों में तेज रन बनाने पर है। उन्होंने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें खुलकर खेलने की पूरी आजादी दी है, जिससे उनका प्रदर्शन और बेहतर हुआ है।

पावर प्ले में तय कर लेते हैं लक्ष्य

अपने ओपनिंग पार्टनर पथुम निस्संका के साथ तालमेल पर राहुल ने कहा कि दोनों का फोकस आक्रामक लेकिन समझदारी भरी बल्लेबाजी पर रहता है। पावरप्ले में 60 रन का लक्ष्य लेकर वे मैदान में उतरते हैं और साझेदारी को मजबूत बनाने की कोशिश करते हैं। राहुल ने यह भी स्वीकार किया कि पिछले वर्षों में उन्हें मुख्य रूप से टेस्ट खिलाड़ी माना जाता था, लेकिन अब उन्होंने अपनी व्हाइट-बॉल क्रिकेट को पूरी तरह विकसित किया है। उनका कहना है कि उन्होंने अपनी गलतियों से सीखकर खुद को टी20 के लिए बेहतर खिलाड़ी बनाया है।

दीपक चाहर की बहन ने हार्दिक पंड्या पर कसा तंज?

मालती ने की सूर्यकुमार की कप्तानी की तारीफ

मुंबई, एजेंसी

आईपीएल 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। जैसे-जैसे आईपीएल अपने अंजाम की ओर आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे प्लेऑफ की जंग और दिलचस्प होती जा रही है। सोमवार को मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को हराकर खुद को प्लेऑफ की रेस में बनाए रखा। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 228 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 18.4 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच में हार्दिक पांड्या नहीं खेल रहे थे और उनकी जगह सूर्यकुमार यादव कप्तानी कर रहे थे।

मैच के बाद एमआई के तेज गेंदबाज दीपक चाहर की बहन मालती चाहर ने एक ऐसा पोस्ट किया है, जिसे फैंस हार्दिक पांड्या पर तंज मान रहे हैं।

इस मैच से पहले हार्दिक की कप्तानी में मुंबई ने नौ में से सात मैच गंवाए थे। मालती ने लिखा कि लखनऊ के खिलाफ मैच में पुरानी मुंबई इंडियंस की झलक दिखी। साथ ही उन्होंने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी की तारीफ भी की।

मालती ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, %फिर असली मुंबई इंडियंस जैसी फीलिंग आई! लगभग सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। बहुत बढ़िया खेले रेयान रिकेल्टन और रोहित भैया! सूर्यकुमार की कप्तानी भी शानदार रही। और दीपक ने पूरे चार ओवर डाले, बहुत अच्छी गेंदबाजी भाई! यह सही मायनों में टीम गेम था। यही है मुंबई इंडियंस !%

पीठ में दर्द के कारण नहीं खेल सके थे मैच

फैंस इस पोस्ट को हार्दिक पर तंज मान रहे हैं। हार्दिक की कप्तानी की जमकर आलोचना भी हो रही है। यह जीत पांच बार की चैंपियन टीम के लिए बड़ी राहत बनकर आई, जिससे उनकी प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा रहीं। मुंबई की टीम फिलहाल अंक तालिका में नौवें स्थान पर है, जबकि लखनऊ आखिरी स्थान पर है। नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या पीठ में ऐंठन के कारण यह मैच नहीं खेल सके थे। दीपक चाहर को इस मैच से पहले पूरे चार ओवर भी डालने को नहीं मिल रहे थे। हालांकि, लखनऊ के खिलाफ उन्होंने चार ओवर में 43 रन दिए, लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। दीपक ने अपने आखिरी दो ओवरों में सिर्फ 15 रन खर्च किए, जो लखनऊ सुपर जाएंट्स को 228 रन पर रोकने में बेहद अहम साबित हुआ।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

बिजनेस छोड़ एक्टिंग में आईं ऋषि कपूर की लाडली!

45 की उम्र में करेंगी डेब्यू, हुई इमोशनल

ऋषि कपूर और नीतू कपूर की लाडली बेटी 45 साल की उम्र में एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। कपूर परिवार की बड़ी बेटी अब फिल्म दादी की शादी से अपना एक्टिंग डेब्यू करने वाली हैं। खास बात ये है कि 45 साल की उम्र में कैमरे के सामने पहली बार खड़ी होने को लेकर रिद्धिमा काफी इमोशनल हैं। रिद्धिमा ने एक लंबा समय अपने परिवार के लिए बिताया है। वो बिजनेसमैन भरत साहनी की पत्नी हैं और बेटी समायरा की मां हैं। इतना ही नहीं वो एक ज्वेलरी डिजाइनर भी हैं। लेकिन अब रिद्धिमा अपना फिल्म डेब्यू कर रही हैं। इस पर बात करते हुए कहा- ये एहसास मेरे लिए बहुत अलग और भावुक करने वाला है।

ऐसा लग रहा है जैसे जिंदगी एक पूरा चक्र पूरा कर चुकी है। मुझे पता है कि पापा जहां भी हैं, मुझे आशीर्वाद दे रहे हैं। यही सोच मुझे ताकत देती है। उन्होंने बताया कि इस नई शुरुआत में सबसे बड़ा चैलेंज खुद को एक नई दुनिया में ढालना था। रिद्धिमा बोलीं- इस उम्र में बिल्कुल नई शुरुआत करना आसान नहीं होता। इसमें एक डर भी होता है, लेकिन साथ ही बहुत एक्साइटमेंट भी है। रिद्धिमा ने ये भी खुलासा किया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें पहली बार अपनी बेटी को दिल्ली में अकेला छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा- 2019 में पापा के इलाज के बाद ये पहली बार था जब मैं अपनी बेटी से इतने समय दूर रही।

रणबीर की बहन रिद्धिमा बनीं एक्ट्रेस

अपनी मां नीतू कपूर के साथ काम करने के अनुभव को उन्होंने बेहद खास बताया। रिद्धिमा ने कहा- मां के साथ काम करना बहुत स्पेशल था। मैंने देखा कि वो कितनी सहज और नेचुरल एक्ट्रेस हैं। रिद्धिमा ने बताया कि कैमरे के सामने आने से पहले उन्हें भाई रणबीर कपूर ने भी खास सलाह दी थी। उन्होंने कहा- रणबीर ने मुझसे कहा था कि नैचुरल रहो और ज्यादा मत सोचो। बस उस पल को महसूस करो। उसकी ये बात मेरे बहुत काम आई। अपने परिवार के बारे में बात करते हुए रिद्धिमा ने आलिया भट्ट और रणबीर की भी तारीफ की। उन्होंने कहा- ये हमारे परिवार के लिए बहुत एक्साइटिंग समय है। मुझे रणबीर और आलिया दोनों पर बहुत गर्व है। दोनों शानदार काम कर रहे हैं। कपूर परिवार की विरासत को आगे बढ़ाने पर रिद्धिमा ने कहा- हमारे परिवार की महिलाओं ने हमेशा अपनी अलग पहचान बनाई है। मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मैं भी उस विरासत का छोटा सा हिस्सा बन रही हूं।

नागिन 7 की भद पिटने के बाद एकता कपूर ने दिखाया मुंह से आग फेंकता हुआ ड्रैगन

खुद ही लिए मीम पर मजे

एकता कपूर ने आखिरकार नागिन 7 को लेकर हो रही आलोचनाओं का जवाब दिया है। ये आलोचनाएं तब शुरू हुईं जब कई दर्शकों ने बताया कि मेकर्स ने एपिसोड में बिना एडिट किया हुआ वीएफएक्स सीन शामिल कर दिया है। प्रियंका चाहर चौधरी के इस हिट शो ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरीं, जहां कई यूजर्स ने एडिटिंग की इस चूक पर मजेदार रिएक्शन दिए। अब एकता ने भी इस पर रिएक्ट किया है। एक दर्शक ने शो के एक सीन की एडिटिंग को लेकर एक मीम शेयर किया है, जिसमें ड्रैगन को आग उगलते दिखाया गया है। उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट में लिखा है, कल एडिटर्स की नागिन वाली ब्लू स्क्रीन की गलती के बाद एकता मैम थाइलैंड से ऑफिस आ रही हैं। एकता ने इस मीम को अपनी स्टोरीज पर शेयर करते हुए लिखा, बिल्कुल सही।

यह सब तब शुरू हुआ जब कई सोशल मीडिया यूजर्स ने नागिन 7 के एक एपिसोड का स्क्रीनशॉट शेयर किया, जिसमें बैकग्राउंड में नीली स्क्रीन दिख रही थी और प्रियंका एकदम बाईं ओर खड़ी थीं। यह एक एक्शन सीन होना चाहिए था जिसमें अहाना अपने दुश्मनों को मार गिराती है। एक रेडिट यूजर ने लिखा, मुझे लगा कि मेरे स्ट्रीम में कोई गड़बड़ हो गई है, लेकिन यह सचमुच पूरी नीली स्क्रीन का सेटअप है जिसमें तार साफ दिख रहे हैं और कलाकार बस लेटे हुए हैं। यह किसी तैयार एपिसोड की बजाय रॉ वीएफएक्स फुटेज जैसा लग रहा है। क्या किसी और ने भी यह देखा है या मेरे ऐप में कोई बग है? एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, बिना एडिट किए हुए वीएफएक्स... वीएफएक्स क्या वे ऐसा भी करते हैं? यह मेरे लिए और भी चौंकाने वाला है। शायद वे यह साबित करने की कोशिश कर रहे हैं कि वे एडिटिंग में थोड़ी मेहनत करते हैं और पूरी तरह से एआई पर निर्भर नहीं हैं।

मेट्रो बाजार

ट्विटर हिस्सेदारी विवाद :1.5 मिलियन डॉलर का जुर्माना भरेंगे एलन मस्क

नई दिल्ली। ट्विटर में हिस्सेदारी को लेकर 2022 के मामले में दिग्गज टेक्नोलॉजी कारोबारी एलन मस्क एसईसी को 1.5 मिलियन डॉलर का जुर्माना भरने के लिए तैयार हो गए है। यूएस एसईसी ने मस्क पर आरोप लगाया था कि 2022 में उन्होंने ट्विटर के शेयरधारकों को बिना बताए कंपनी में हिस्सेदारी बढ़ाई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह जुर्माना मस्क द्वारा गठित एक ट्रस्ट एसईसी को मुकदमे को समाप्त करने के लिए अदा करेगा, लेकिन इसे अभी भी अदालत की मंजूरी मिलना बाकी है। हालांकि, मस्क ने नियामक के आरोपों को स्वीकार नहीं किया है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह एसईसी की ओर से मस्क से इससे पहले मांगे गए जुर्माने से काफी कम है। दिसंबर 2024 में एसईसी ने मस्क से 200 मिलियन डॉलर से अधिक का जुर्माना मांगा था। जनवरी 2025 में, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पदभार संभालने से कुछ दिन पहले, एसईसी ने मस्क पर मुकदमा दायर किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के 5 प्रतिशत से अधिक शेयर जमा करने की जानकारी देने की समय सीमा का उल्लंघन किया। नियामक के अनुसार, इस देरी के कारण ट्विटर के शेयरधारकों को 150 मिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ। हालांकि, बाद में मस्क ने 2022 में कंपनी को खरीद लिया और इसका नाम बदलकर एक्स कर दिया। एसईसी के एक प्रवक्ता ने कहा कि यदि यह समझौता अंतिम रूप ले लेता है, तो यह एजेंसी द्वारा किसी संस्था या व्यक्ति पर कथित तौर पर समय पर लाभकारी स्वामित्व रिपोर्ट दाखिल न करने के लिए लगाया गया अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना होगा।

प. एशिया में तनाव के बावजूद भारत में प्रोडक्शन गतिविधियों में तेजी जारी

नई दिल्ली। भारत में विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक अप्रैल में 54.7 रहा, जो मार्च में 53.9 था। यह वृद्धि नए ऑर्डर (निर्यात सहित) और रोजगार के अवसर बढ़ने के कारण हुई। अप्रैल के आंकड़े दिखाते हैं कि भारत के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं और नए व्यवसायों में तेजी जारी है। वहीं, निर्यात एक सकारात्मक बिंदु बना हुआ है और वृद्धि दर पिछले सितंबर के बाद सबसे तेज रही है।

रिपोर्ट में कंपनियों ने संकेत दिया है कि पश्चिम एशिया में तनाव के कारण महंगाई के दबाव में वृद्धि हुई है। कच्चे माल की लागत और उत्पाद कीमतों दोनों में क्रमशः 44 महीनों और छह महीनों में सबसे तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। एचएसबीसी की मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभाव अब और स्पष्ट होते जा रहे हैं, विशेष रूप से महंगाई के रूप में, जिससे उत्पादन लागत अगस्त 2022 के बाद से सबसे तेज गति से बढ़ी है और उत्पाद कीमतें छह महीनों में सबसे तेज दर से बढ़ी हैं। मार्च में 53.9 से बढ़कर अप्रैल में 54.7 होने के बावजूद मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) ने लगभग चार वर्षों में समग्र परिचालन स्थितियों में दूसरी सबसे धीमी सुधार का संकेत दिया। पीएमआई नए ऑर्डर, उत्पादन, रोजगार, आपूर्तिकर्ता आपूर्ति समय और खरीद स्टॉक के आधार पर समग्र परिस्थितियों को मापता है। सर्वेक्षण में शामिल प्रतिभागियों ने संकेत दिया कि विज्ञापन और मांग में स्थिरता ने बिक्री और उत्पादन को समर्थन दिया। लेकिन प्रतिस्पर्धी माहौल, पश्चिम एशिया में युद्ध और ग्राहकों द्वारा लंबित कोटेशन को मंजूरी देने में अनिच्छा के कारण विकास बाधित हुआ।

महंगी हुई कैलाश यात्रा, बढ़ाए गए 35 हजार रुपये

अब प्रति यात्री देने होंगे 2.09 लाख

नैनीताल। *कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए इस वर्ष यात्रियों की संख्या बढ़ाई जाने के बाद अब यात्रा के खर्च में भी 35 हजार रुपये की वृद्धि कर दी गई है। यात्रा खर्च बढ़ाने के पीछे डॉलर की कीमत में वृद्धि का हवाला दिया गया है। बीते वर्ष यात्रा का कुल खर्च लगभग 1.74 लाख रुपये था जो इस वर्ष 2.09 लाख हो गया है। इसमें केएमवीएन को देय राशि 65 हजार रुपये होगी। भारतीय क्षेत्र में यात्रा, आवास, भोजन, गाइड आदि की व्यवस्था कुमाऊं मंडल विकास निगम (केएमवीएन) करता है। बीते वर्ष केएमवीएन की ओर से लिया जाने वाला शुल्क 57 हजार रुपये प्रति यात्री था जिसमें इस बार आठ हजार रुपये की वृद्धि की गई है। तिब्बत में वीजा सहित अन्य खर्च अलग से विदेश मंत्रालय को देय होंगे जिसमें 1400 डॉलर शामिल हैं। केएमवीएन के महाप्रबंधक विजय नाथ शुक्ला ने बताया कि सरकार ने कैलाश मानसरोवर यात्रा के शुल्क की घोषणा कर दी है। यात्रियों का रजिस्ट्रेशन भी शुरू हो चुका है। बीते वर्ष 10 समूहों में कुल 250 यात्री गए थे। इस वर्ष 50-50 यात्रियों के 10 दल जाएंगे।*

न्यूज विंडो

भुवनेश्वर के अपार्टमेंट में भीषण आग, दो जिंदा जले, कई घायल

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के लक्ष्मीसागर थाना क्षेत्र स्थित बसंत भिल्ला अपार्टमेंट में बुधवार तड़के भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। इस दर्दनाक हादसे में एक महिला और एक पुरुष, जो अपार्टमेंट में केयरटेकर के रूप में कार्यरत थे, जिंदा जल गए। दोनों के शव मौके से बरामद किए गए हैं।प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी, जिससे दोनों केयरटेकर अंदर ही फंस गए और बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका। बताया जा रहा है कि मृतक लंबे समय से अपार्टमेंट में कार्यरत थे और निवासियों के बीच भरोसेमंद माने जाते थे। उनकी अचानक हुई मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। घटना के बाद पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल की बारीकी से जांच की जा रही है ताकि आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।

बेंगलुरु में इसरो कैंपस के ऊपर ड्रोन मंडराने के बाद मचा हड़कंप

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में इसरो के आईएसआईटीई परिसर के ऊपर कथित तौर पर एक ड्रोन को उड़ता हुआ देखे जाने के बाद हड़कंप मच गया। इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने बताया कि इसरो का यह परिसर एक 'ड्रोन निषेध क्षेत्र' है। पुलिस ने बताया कि यह घटना दो मई को सुबह करीब आठ बजकर 16 मिनट पर घटी। केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक सब इंस्पेक्टर की शिकायत के बाद जांच शुरू की गई, जिन्होंने आईएसआईटीई (सैटेलाइट इंटीग्रेशन एंड टेस्ट एस्टैब्लिशमेंट) परिसर के ऊपर लगभग 80 से 100 फुट की ऊंचाई पर 10 से 12 सेकंड तक एक अज्ञात ड्रोन को उड़ते हुए देखा था। एफआईआर के अनुसार, इसरो आईएसआईटीई परिसर एक अत्यंत संवेदनशील और प्रतिबंधित क्षेत्र है, जिसे 'ड्रोन निषेध क्षेत्र' घोषित किया गया है। ऐसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अनधिकृत हवाई गतिविधि सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करती है।

बच्चे का अपहरण कर हत्या करने का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में ढेर

हरदोई। यूपी के हरदोई जिले में बच्चे का अपहरण कर हत्या का आरोपित पुलिस मुठभेड़ में ढेर हो गया, वहीं एसओजी प्रभारी को भी गोली लगी। आरोपी ने दुष्कर्म की नीयत से बच्चे का अपहरण किया था, इसके बाद उसकी हत्या कर घरवालों से फिरौती मांगी थी। जानकारी के मुताबिक, मल्लावां के बाबटमऊ निवासी अकील का आठ वर्षीय पुत्र शुक्रवार की शाम गांव में मेला देखने गया था, जिसके बाद से लौट कर नहीं आया। शनिवार को पिता के मोबाइल पर बच्चे का अपहरण और सात लाख की फिरौती मांगी गई। पहले घरवालों ने पुलिस को नहीं बताया, लेकिन सोमवार को फिर फोन आया तो बच्चे के स्वजन ने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने कुछ लोगों को पकड़ा तो पता चला कि दुष्कर्म की नीयत से बच्चे का अपहरण कर फिर उसकी हत्या कर गुमराह करने के लिए फिरौती मांगी गई। इस मामले में रिश्तेदारी में रहने वाले मेहनूर उर्फ शहनूर उर्फ मेहनुद्दीन पुत्र मोईन निवासी ग्राम रोरा निस्तौली थाना ठठिया जनपद कन्नौज का नाम सामने आया। उसकी गिरफ्तारी के लिए 50 हजार का इनाम घोषित किया गया था। बुधवार की सुबह पुलिस की उससे मुठभेड़ हो गई तो गोली चलाता हुआ वह भागा, लेकिन पुलिस ने उसे घेर लिया।

सारे वादे पहले साल में न भी पूरे हों, तो भी एक लाख करोड़ का आएगा खर्च

जर्जर खजाना-बाजार से उधारी, कैसे बटेगा आठ ग्राम सोना और साड़ी

चेन्नई, एजेंसी

चुनाव खत्म हो गए। अब बारी चुनावी वादों को पूरा करने की है। नई सरकारों के सामने राज्यों पर लदे कर्ज, कम आमदनी व बढ़ते खर्च जैसे संकट सामने खड़े हैं। चुनावी वादों के एक्सप्रेसवे पर यह स्पीड ब्रेकर की तरह दिखने लगे हैं। बंगाल, असम में भाजपा की नई सरकार के सामने जो संकट है, उससे कहीं बड़ा संकट तमिलनाडु में टीवीके सरकार के सामने आने वाला है, जिसने सोना बांटने की भी बात कही है।

बंगाल में अब जहां डबल इंजन की सरकार है, वहां यह संकट अपेक्षाकृत कम होगा। 15 साल में बंगाल पर कर्ज चार गुना बढ़कर 8 लाख करोड़ से ज्यादा का हो गया है। अब भाजपा सरकार को सोनार बांग्ला बनाने के लिए बड़ी रकम का इंतजाम करना होगा। युवा स्नातकों को तीन हजार रुपये देने का वादा भी निभाना है।

बंगाल, केरलम व पंजाब जैसे राज्य बड़े राजकोषीय घाटे के दायरे में

नीति आयोग की राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल, केरल और पंजाब जैसे राज्य बड़े राजकोषीय घाटे और ऋण का सामना कर रहे हैं। राजस्व, व्यय और कर्ज के मामले में इन राज्यों की हालत नाजुक है। पंजाब, पश्चिम बंगाल, और केरल में लगातार राजस्व घाटे है।

बाढ़ मुक्त असम के लिए 18,000 करोड़ की जरूरत

यहां सत्तारूढ़ भाजपा ने 31 वादे किए थे। इसमें बाढ़ मुक्त असम मिशन शुरू करने के लिए 18,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करना होगा। 2 लाख सरकारी नौकरियां देने का काम भी करना है। एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज, एक विश्वविद्यालय, एक इंजीनियरिंग कॉलेज की योजना के लिए बड़ी रकम की जरूरत है। महिलाओं को, ओरुनोदोई योजना के तहत मासिक प्रत्यक्ष बैंक हस्तांतरण 3,000 रुपये किया जाना है। चाय बागान के मजदूरों की मजदूरी अगले पांच वर्षों में बढ़ाकर 500 प्रतिदिन करने और उन्हें आवास उपलब्ध कराने का भी वादा किया गया है।

राज्यों की बाजार उधारी 12.4 लाख करोड़: इन योजनाओं से राज्यों के खजाने पर बोझ भी बढ़ा है। 2025-26 में राज्यों की बाजार उधारी 15.2 फीसदी बढ़कर 12.4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। नकद सहायता देने वाले 16 में से 12 राज्यों की उधारी दो अंकों में बढ़ी है।?क्रिसिल ने चेताया है कि बढ़ती उधारी बॉन्ड बाजार के लिए जोखिम बन सकती है और निवेशकों के भरोसे पर असर डाल सकती है। क्रिसिल ने कहा, नकद हस्तांतरण स्थायी समाधान नहीं है।

अब खर्च होगा 36,029 करोड़

फिल्म स्टार से नेता बने विजय की पार्टी टीवीके ने गरीबों को मिलने वाली सहायता राशि 1,000 से बढ़ाकर 2,500 रुपये करने का वादा किया था। इसे पूरा करने के लिए हर साल 14,411 करोड़ के बजाए अब 36,029 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे। इसके लिए 21,617 करोड़ अलग से जुटाने होंगे। टीवीके का घोषणापत्र में शादी सहायता के रूप में 8 ग्राम सोना, कमजोर वर्ग की महिलाओं को शादी पर रेशमी साड़ी, प्रत्येक परिवार को सालाना 6 मुफ्त सिलेंडर देना शामिल है। स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के परिवारों को सालाना 15,000 रुपये देने, बेरोजगार स्नातकों को 4,000 तक मासिक सहायता देने, 5 लाख सरकारी नौकरियां देने का वादा भी है। पांच एकड़ से कम जमीन वाले किसानों के फसल ऋण की पूर्ण माफी और बड़े किसानों के लिए 50% तक ऋण माफी भी होगी। वरिष्ठ नागरिकों 3,000 मासिक पेंशन, 200 यूनिट मुफ्त बिजली भी दी जाएगी। सारे वादे पहले साल में न भी पूरे हों, तो भी पहले साल एक लाख करोड़ का खर्च तो आ ही जाएगा।

भाजपा का हर छठा सांसद वोट चोरी से जीता: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज भारतीय जनता पार्टी पर चुनावी प्रक्रिया में धांधली का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा में भाजपा के हर छठे सांसद ने वोट चोरी के जरिए जीत हासिल की है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि अगर देश में निष्पक्ष चुनाव कराए जाएं तो बीजेपी 140 सीटें भी नहीं जीत पाएगी। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदी में पोस्ट करते हुए कहा कि वोट चोरी से कभी एक सीट चुराई जाती है और कभी पूरी सरकार। लोकसभा में बीजेपी के 240 सांसदों में लगभग हर छठा सांसद वोट चोरी करके पहुंचा है। उन्होंने भाजपा पर हमला तेज करते हुए कहा कि ऐसे सांसदों की पहचान करना मुश्किल नहीं है। राहुल गांधी ने भाजपा की शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए सवाल किया कि क्या ऐसे लोगों को घुसपैठिया कहा जाना चाहिए। उन्होंने हरियाणा सरकार को भी निशाने पर लेते हुए कहा कि वहां पूरी सरकार ही घुसपैठिया है।

सांवरिया सेठ के दर्शन कर लौट रही कार डिवाइडर से टकराई, एक की मौत, 13 घायल

रतलाम। जावरा रोड स्थित कार शोरूम के सामने देर रात करीब चार बजे एक जीप अनियंत्रित होकर डिवाइडर में जा घुसी। हादसे में एक ही परिवार के 13 लोग घायल हो गए, जबकि एक व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। सभी शहर के माली कुआं क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। हादसे के बाद एंबुलेंस के समय पर नहीं पहुंचने से घायलों को अस्पताल पहुंचाने में परेशान होना पड़ा। वहीं घायल भी एंबुलेंस के इंतजार में दर्द से कराहते रहे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार परिवार राजस्थान स्थित सांवलियाजी में कुलदेवता की पूजा कर रतलाम लौट रहा था, तभी यह हादसा हो गया। हादसे में 60 वर्षीय जगदीश पुत्र परमानंद उर्फ लाला पटेल निवासी मालीकुआं की उपचार के दौरान मौत हो गई। उन्हें वडोदरा रेफर किया जा रहा

था। घायलों में 55 वर्षीय जमना माली पत्नी राजू माली (55), 67 वर्षीय भूलीबाई पत्नी राधेश्याम, 45 वर्षीय रेखा भटनागर पत्नी मनोज, 28 वर्षीय आशु पुत्र जगदीश, 30 वर्षीय आनंद पुत्र जगदीश, 28 वर्षीय पूजा पत्नी आनंद, 52 वर्षीय नीता पत्नी जगदीश, 28 वर्षीय नंदनी पत्नी आशु, 15 वर्षय दक्ष पुत्र कन्हैयालाल, 15 वर्षीय मित पुत्री सत्यनारायण, पांच वर्षीय समीक्षा पुत्री आनंद, 45 वर्षीय अशोक पुत्र धन्नालाल और पांच वर्षीय मितांश पुत्र आशुतोष शामिल हैं।

थरूर की कांग्रेस को नसीहत: 'पीएम मोदी-अमित शाह ने अच्छा काम किया, सीखने की जरूरत'

नई दिल्ली, एजेंसी

अपनी बेबाकी से कई बार कांग्रेस को असहज करने वाले कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह की तारीफ की है। उन्होंने विधानसभा चुनावों के परिणामों के बाद अपनी ही पार्टी को आत्मचिंतन करने की भी नसीहत दी।

पहले भी कर चुके हैं पीएम मोदी की तारीफ: ऑपरेशन सिंदूर समेत कई मुद्दों पर थरूर प्रधानमंत्री की तारीफ पहले भी कर चुके हैं। थरूर ने माना कि केरलम में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ को जीत मिली है, लेकिन उन्होंने अन्य तीन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन की ओर भी इशारा करते

हुए अपनी पार्टी को सबक सीखने को कहा। थरूर ने बंगाल और असम में प्रभावी चुनाव रणनीति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की प्रशंसा की और उनके संगठनात्मक कौशल को स्वीकार किया। थरूर ने कहा, उन्होंने (प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह) ने बंगाल और असम में अच्छा काम किया है। उनके पास मजबूत संगठनात्मक क्षमता है। हम सभी इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं।

बंगाल में पहली बार सरकार बनाएगी भाजपा

गौरतलब है कि भाजपा बंगाल में पहली बार सरकार बनाने वाली है, वहीं असम में भाजपा तीसरी बार सरकार बनाएगी। तमिलनाडु में 108 सीटें जीतकर टीवीके सरकार बनाने की दहलीज पर है। पुडुचेरी में फिर राजग की सरकार बनने वाली है।

मेट्रो एंकर — **भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक और बड़ी उपलब्धि**

मिशन दृष्टि सैटेलाइट लॉन्च की मुरीद हुई दुनिया, मस्क ने भी दी बधाई

दिल्ली/वाशिंगटन, एजेंसी

भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। बंगलूरू स्थित स्पेस स्टार्टअप GalaxEye के मिशन दृष्टि सैटेलाइट के सफल प्रक्षेपण पर एलन मस्क ने कंपनी को बधाई दी है। मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बधाई हो लिखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस पोस्ट का जवाब दिया, जिसमें उन्होंने मिशन दृष्टि की सफलता को भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया था।

पीएम मोदी ने बताया मील का पत्थर : प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा था कि मिशन दृष्टि भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक बड़ा मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि दुनिया के पहले OptoSAR सैटेलाइट और भारत के सबसे बड़े निजी तौर पर निर्मित उपग्रह का सफल प्रक्षेपण देश के युवाओं की नवाचार और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मोदी ने लिखा कि गैलेक्सीआई का मिशन दृष्टि हमारी अंतरिक्ष यात्रा में एक बड़ी उपलब्धि है। दुनिया के पहले ऑप्टोस्टार सैटेलाइट और भारत में निजी क्षेत्र द्वारा बनाए गए सबसे बड़े उपग्रह का सफल लॉन्च युवाओं के नवाचार और

राष्ट्र निर्माण के जुनून का प्रमाण है। मिशन दृष्टि सैटेलाइट को स्पेसएक्स के Falcon 9 रॉकेट के जरिए कैलिफोर्निया से लॉन्च किया गया। इस लॉन्च को भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए बड़ी सफलता माना जा रहा है।

क्या है मिशन दृष्टि सैटेलाइट की खासियत?: मिशन दृष्टि सैटेलाइट को अत्याधुनिक इमेजिंग तकनीक से लैस किया गया है। इसमें लगे हाई-टेक कैमरे और एडवांस सेंसर धरती की बेहद साफ और हाई-रेजोल्यूशन तस्वीरें लेने में सक्षम हैं। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह हर मौसम में काम कर सकता है। घने बादल, बारिश, खराब मौसम या रात का अंधेरा भी इसकी निगरानी क्षमता को प्रभावित नहीं कर पाएगा।

रक्षा क्षेत्र के लिए क्यों है अहम?

यह सैटेलाइट भारत की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसकी रियल-टाइम मॉनिटरिंग क्षमता के जरिए सीमाओं पर होने वाली गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा सकेगी। खासतौर पर चीन और पाकिस्तान से सटे इलाकों में किसी भी संदिग्ध हलचल का तेजी से पता लगाया जा सकेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि सैटेलाइट से मिलने वाला सटीक डेटा सेना को रणनीतिक फैसले लेने में मदद करेगा। इससे आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देना आसान होगा और निगरानी प्रणाली पहले से अधिक प्रभावी बनेगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564